संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 142
पृष्ठ 8
मंगलवार
10 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फेफड़ों को रखना है हेल्दी तो रोज...
विचार- टैरिफ वार छेड़ने वाले ट्रम्प आखिर...
खेल- टी20 में टेस्ट जैसा स्ट्राइक रेट...

अयोध्या-काशी पूरी, मथुरा-नैमिष पर काम जारी, योगी बोले-

भारत ने अपने मूल्यों व आदर्शों को पहचाना है

सीतापुर,संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे यूपी के सीतापुर पहुंचे। यहां उनका हेलीकॉप्टर जीआईसी स्थित हेलीपैड पर उतरा। वहां से उनकी फ्लीट करीब एक किमी दूर स्थित तपोधाम आश्रम पहुंची। उनका काफिला रूट की संकरी गलियों के बीच से गुजरा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में 1700 पुलिसकर्मी तैनात रहे। तपोधाम आश्रम में महंत तेजनाथ महाराज समेत अन्य लोगों ने सीएम का स्वागत किया। यहां सबसे पहले उन्होंने गोरख अमृत धारा फव्वारे का लोकार्पण किया। साथ ही श्री सिद्ध तीर्थ तपोस्थली बाबा गिरधारी नाथ महाराज के संदेश के शिलापट का लोकार्पण किया। इसके बाद आश्रम में पूजन-अर्चन किया। इस मौके पर सीएम ने सबसे पहले तपोधाम आश्रम में मूर्ति स्थापना और भंडारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। नाथपंत से जुड़े पूज्य संतजनों को नमन करते हुए योगी तेजनाथ महाराज को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी पूज्य गुरु परंपरा का भी स्मरण किया। कहा कि उनके दादा गुरु ने इस आश्रम की स्थापना की थी। आजादी के समय पाकिस्तान छोड़कर इस देश में अपनी साधना को पुख्ता करने के लिए योगीराज गिरधारी महाराज ने जो साधना की थी, उनकी साधना गुफा को एक भव्य रूप देकर हमें उससे जोड़ने का अवसर दिया है। इसके लिए उन्हें बधाई देता हूं।

सीएम ने कहा कि इस स्थान पर योगी गिरधारीनाथ महाराज ने वर्षों तक साधना की। उनके बाद उनके शिष्य योगी राजचरण नाथ महाराज ने इस आश्रम को आगे बढ़ाया। गुरु शिष्य की वो परंपरा आज भी स्वतंत्र भारत में देश के अंदर आकर अपनी परंपरा और विरासत को अक्षुण बनाए रखने के लिए जुटी है। यह अभिनंदनीय प्रयास है। जैसे पूर्वी भारत में कामाख्या शक्तिपीठ का महत्व है। ऐसे ही पश्चिमी भारत में हिंगलाज देवी धाम का महत्व है। दुर्भाग्य से पाकिस्तान में वो स्थान जाने के कारण कई भक्तों को वहां जाने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हो पाता है। वह एक शक्तिपीठ है।

उन्होंने कहा कि इन सभी पीठों को योगीराज गोरखनाथ का स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान है। सीतापुर में भी यह कार्यक्रम हुआ है। सीतापुर यूं ही गिरिधारी नाथ महाराज की तपोस्थली नहीं बनी। यह पौराणिक केंद्र है। भारत के वैदिक ज्ञान को लिपिबद्ध करने का स्थल है। हमने नैमिषारण्य को पुनर्स्थापित करने के बड़े कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया है। जहां 88 हजार ऋषियों ने अनवरत एक जगह एकत्र होकर भारत के सभी पुराणों को लिपिबद्ध किया। उससे पहले श्रीमद्भागवत की रचना हो चुकी थी। शेष की रचना की पवित्र स्थली नैमिषारण्य है। ऐसे ही एक सिद्ध साधक हिंगलाज देवी के स्थान से यहां आए। उनको एक ऐसा स्थान चाहिए था, जहां उनको कोई पहचानता न हो। ईश्वर की प्रेरणा से योगी गिरीनाथ महाराज ने गुफा बनाकर यहां तप किया।

सीएम ने कहा कि दुनिया के अंदर सभी सभ्यता व संस्कृति समाप्त हो गईं। लेकिन, भारत की संस्कृति व सनातन धर्म दुनिया को आज भी वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दे रहा है। इसे तोड़ने के कई प्रयास हुए। सनातन धर्मावलम्बियों ने इसकी रक्षा की। धर्म ने सबको आगे बढ़ने की जगह दी। हर एक को शरण दी, लेकिन बदले में विदेशी आक्रांताओं ने इस पर आक्रमण किया। याद करिए जिसको भी अवसर मिला, अकेले दुनिया के अंदर सनातन धर्मावलंबी हैं। इनके पास बल, बुद्धि थी, लेकिन सिर्फ उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। धर्म ने सदा उदार चरितानां वसुधैव कुटुंबकम का हमेशा संदेश दिया। हमने हमेशा चराचर जगत के कल्याण की बात की। उन्होंने कहा कि कितना भी जहरीला सांप हो नागपंचमी को उसको भी लोग दूध और बताशा खिला देते हैं। जो भी शरण मांगने आया, उसे शरण मिली। लेकिन, यहां शरण लेने के बाद शरणार्थी के धर्म का निर्वहन नहीं किया। हाथ की उंगली पकड़कर बाद में गला दबाने का काम किया। देश को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य का शासन देश का स्वर्ण युग है। सीएम ने आगे कहा कि भारत के पास दुनिया के अर्थतंत्र का 45 फीसदी हिस्सा था। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत थी। हमले होते गए। जब टूट-फूट शुरू हुई, हम आपस में बंटते गए। मत, संप्रदाय, जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बंटवारा हुआ। ये हमले बढ़ते गए, लूटपाट बढ़ती गई। लगातार ये चलता रहा। आज से 400 वर्ष पहले तक दुनिया की अर्थव्यवस्था में भागीदारी सबसे अधिक थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

एसआईआर प्रक्रिया में बाधा बर्दाश्त नहीं

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विशेष जांच रिपोर्ट (एसआईआर) को लेकर सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने देगा। उन्होंने कहा कि जहां भी सुधार की आवश्यकता होगी, वहां आदेश जारी किए जाएंगे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि किसी भी प्रकार की रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीजेआई ने टिप्पणी की कि सभी राज्यों को यह समझना चाहिए। सीजेआई ने यह भी कहा कि यदि अधिकारियों की सूची 5 फरवरी तक प्रस्तुत कर दी गई होती, तो भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब तक निर्णय ले चुका होता। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारी की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया निर्धारित समय के अनुसार ही आगे बढ़नी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू ने मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की नियुक्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने तर्क दिया कि ईआरओ अर्ध-न्यायिक कार्य करते हैं और इसलिए उनके पास पर्याप्त न्यायिक अनुभव होना आवश्यक है। नायडू ने बताया कि ईसीआई ने लगभग 300 ग्रुप बी अधिकारियों की मांग की थी, लेकिन ऐसे अनुभव वाले केवल 64 अधिकारियों को ही नियुक्त किया गया, शेष नियुक्तियां वेतन समानता के आधार पर की गईं। उन्होंने कहा कि इंजीनियर जैसे अधिकारी एसआईआर के तहत न्यायिक निर्णयों को संभालने के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिन्हें अपीलीय अधिकारियों के समक्ष चुनौती दी जा सकती है। सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की भूमिका पर भी सवाल उठे।

डिजिटल धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

यह सरासर डकैती है, पूरे देश में लागू हो एसओपी

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे डकैती या लूट करार दिया है। अदालत ने कहा कि अब तक ₹54,000 करोड़ से अधिक की राशि साइबर ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में औपचारिक रूप से लागू किया जाए, ताकि डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई और बैंकों से कहा कि वे ऐसे मामलों में समय पर और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि आरबीआई ने पहले ही एक एसओपी तैयार किया है, जिसके तहत साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर अस्थायी रूप से डेबिट कार्ड को होल्ड पर डालने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। इसका उद्देश्य डिजिटल धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान को तुरंत रोकना है।

डिजिटल अपराधों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक और अहम निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि अंतर-विभागीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए चार सप्ताह के भीतर एक ड्राफ्ट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) तैयार किया जाए। अदालत ने साफ शब्दों में कहा हम केंद्र सरकार को निर्देश देते हैं कि वह आरबीआई की एसओपी को औपचारिक रूप से अपनाए और पूरे भारत में लागू करे, ताकि डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने में एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो सके। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह देशभर में सामने आए डिजिटल अरेस्ट मामलों की पहचान करे और उनसे जुड़े तथ्यों की विस्तृत जांच की जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात और दिल्ली सरकारों से कहा है कि जिन मामलों की पहचान की जाए, उनमें जांच के लिए आवश्यक मंजूरी (सैंक्शन) बिना देरी के प्रदान की जाए, ताकि जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां आपस में समन्वय कर एक संयुक्त बैठक आयोजित करें।

अजित डोभाल के दौरे से भारत-कनाडा रिश्तों में आई नई गर्माहट, दोनों देश मिलकर सिखाएंगे खालिस्तानियों को सबक

ओटावा,एजेंसी। भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले कुछ समय से चला आ रहा तनाव अब कम होता दिख रहा है। इस बदलाव के केंद्र में हैं भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की हालिया कनाडा यात्रा, जिसने दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को नई दिशा दी है। यह यात्रा भरोसे की फिर से स्थापना और साझा हितों पर आगे बढ़ने का स्पष्ट संकेत थी। हम आपको बता दें कि अजित डोभाल ने ओटावा में कनाडा के शीर्ष सुरक्षा और नीति अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इन बैठकों में दोनों देशों ने एक साझा कार्य योजना पर सहमति जताई जिसका मकसद सुरक्षा और कानून प्रवर्तन सहयोग को मजबूत करना है। तय हुआ कि दोनों देश अपने सुरक्षा और कानून प्रवर्तन तंत्र के बीच सीधा संपर्क बढ़ाएंगे, लायजन अधिकारी तैनात करेंगे और सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान सुनिश्चित करेंगे। बातचीत के प्रमुख विषयों में साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध, ड्रग तस्करी, अवैध वित्त प्रवाह, आव्रजन से जुड़ी धोखाधड़ी और ट्रांसनैशनल अपराध शामिल रहे। खास जोर इस बात पर रहा कि नई तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर अपराध करने वाले नेटवर्क से मिलकर निपटा जाए। कनाडा की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि उसकी जमीन का उपयोग किसी भी तरह की हिंसक अलगाववादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। यह बात भारत के लिए खास मायने रखती है, क्योंकि लंबे समय से भारत कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्वों को लेकर चिंता जताता रहा है। गौरतलब है कि 2023 में एक खालिस्तानी उग्रवादी की हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तीखा तनाव आया था। आरोप और प्रत्यारोप चले, राजनयिक स्तर पर कड़वाहट बढ़ी और भरोसे में कमी आई। ऐसे माहौल में डोभाल की यह यात्रा एक भरोसा बहाल करने वाला कदम मानी जा रही है। अब संकेत साफ है कि दोनों देश मतभेदों को पीछे छोड़कर व्यावहारिक सहयोग की राह पर चलना चाहते हैं। आने वाले समय में व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी रिश्तों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कनाडा के प्रधानमंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा को भी इसी क्रम में देखा जा रहा है, जो इस नई समझ को और मजबूती दे सकती है। देखा जाए तो अजित डोभाल की कनाडा यात्रा का महत्व केवल कागजी समझौतों में नहीं, बल्कि उसके सामरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव में है। यह यात्रा तीन स्तर पर असर डालती दिखती है। पहला, इसने साफ किया कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं पर समझौता करने वाला देश नहीं है। चाहे मामला साइबर खतरे का हो या अलगाववादी नेटवर्क का, भारत अब सीधे, स्पष्ट और परिणाम केंद्रित संवाद करता है। दूसरा,

यह खालिस्तानी तत्वों के लिए एक सख्त संदेश है। लंबे समय तक उन्हें यह भरोसा रहा कि विदेश की जमीन पर वे राजनीतिक अभिव्यक्ति के नाम पर भारत विरोधी अभियान चला सकते हैं। पर जब मेजबान देश खुद सुरक्षा सहयोग पर सहमत हो और ऐसी गतिविधियों को कानून व्यवस्था का विषय माने, तो उनके लिए जगह सिमटती है। डोभाल की यात्रा ने यही किया है। यह एक तरह का शांत लेकिन प्रभावी प्रहार है। तीसरा, यह मोदी सरकार की विदेश नीति के उस मॉडल को दिखाता है जिसमें भावनात्मक बयानबाजी से अधिक महत्व ठोस परिणामों को दिया जाता है। पिछले दशकों में कई बार ऐसा लगा कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को लेकर पर्याप्त दृढ़ता नहीं दिखा पा रहा। आज तस्वीर बदली है। भारत मित्र देशों से मित्रता चाहता है, पर अपनी सुरक्षा की कीमत पर नहीं। मोदी काल की विदेश नीति की खासियत यह रही है कि उसने रिश्तों को शून्य या सौ के नजरिये से नहीं देखा। जहां मतभेद हैं, वहां भी संवाद जारी रख जहां सहयोग संभव है, वहां तेजी। यही व्यावहारिक कूटनीति है। इसी कारण कई ऐसे देश जिनसे रिश्ते में ठहराव या दूरी थी, आज फिर सक्रिय साझेदार बनते दिख रहे हैं।

विपक्ष का गला घोंटा जा रहा-प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने के बाद लोकसभा में मचे हंगामे के बीच, पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि यह लोकतंत्र नहीं है जहां विपक्ष के नेता को अपने विचार रखने की अनुमति न दी जाए।मीडिया से बात करते हुए प्रियंका ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को एक मिनट भी बोलने की अनुमति न देना हास्यास्पद है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि हम सदन (लोकसभा) जाते हैं और बस बाहर आ जाते हैं। विपक्ष के नेता को एक मिनट भी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती। यह हास्यास्पद है। यह लोकतंत्र नहीं है। हम यहां किसलिए आते हैं? उन्हें बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह घटना तब हुई जब विपक्ष द्वारा राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने के विरोध में कई बार सदन स्थगित करने के बाद सदन फिर से शुरू हुआ। विपक्ष के विपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उन्हें अपने विचार रखने की अनुमति दी जाएगी।

गांधी ने सदन में कहा कि एक घंटे पहले सदन का एक सदस्य अध्यक्ष के पास गया था, अध्यक्ष ने हमें आश्वासन दिया था कि मुझे यहां बोलने और बजट चर्चा से पहले कुछ मुद्दे उठाने की अनुमति दी जाएगी। अब आप अपने वादे से मुकर रहे हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या मुझे वे मुद्दे उठाने की अनुमति है या नहीं?

थाईलैंड की लिली और बंगलूरू के गुलाब से हो रहा प्यार का इजहार, एक गुलाब 40 से 60 रुपये में

प्रयागराज। वैलेंटाइन वीक शनिवार से शुरू हो गया है। झूंसी के बाजार कोलकाता, दिल्ली और बंगलूरू के गुलाब के फूल व थाईलैंड के लिली के फूलों की खुशबू से महकने लगे है। बाजार में फूलों की आठ से दस दुकानें हैं।

वैलेंटाइन वीक शनिवार से शुरू हो गया है। झूंसी के बाजार कोलकाता, दिल्ली और बंगलूरू के गुलाब के फूल व थाईलैंड के लिली के फूलों की खुशबू से महकने लगे है। बाजार में फूलों की

आठ से दस दुकानें हैं। इनमें 40 से 60 रुपये तक गुलाब के फूल व हजारों में गुलदस्तों का स्टॉक है। फूलों के कारोबारियों का कहना है कि अन्य दिनों के मुकाबले रोज डे पर अच्छी बिक्री हुई।

वैलेंटाइन डे पर देश ही नहीं विदेशों से भी फूलों को मंगाया गया है। फूलों का कारोबार करने वाले नई झूंसी निवासी रामपूजन माली ने बताया कि रोज डे पर एक गुलाब की कीमत अन्य दिनों के मुकाबले दोगुनी हो जाती है। वैलेंटाइन वीक पर फूलों की अच्छी बिक्री हो जाती है। ग्राहक गुलदस्तों का ऑर्डर भी देते हैं। इनमें अलग–अलग प्रकार के गुलाब भी लगाएं जाते हैं। कोलकाता और बंगलूरू के गुलाब बाजार में सबसे ज्यादा हैं। सफेद और पीले रंग के गुलाब भी मंगाए गए हैं। एक गुलाब की कीमत 35 से 45 रुपये तक है। थाईलैंड से आने वाले फूल लिली की भी वेलेंटाइन डे पर खूब डिमांड है। लिली के फूल 100 से 150 रुपए तक के बाजार में उपलब्ध हैं।

मंगनी के बाद तोड़ा रिश्ता, मंगेतर समेत छह लोग नामजद

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के अशोक नगर नेवादा की एक युवती की मंगनी हो जाने के बाद मंगेतर समेत उसके परिवार वालों पर दहेज में नौ लाख रुपये न मिलने पर रिश्ता तोड़ने का आरोप लगाया गया है। कैंट थाना क्षेत्र के अशोक नगर नेवादा की एक युवती की मंगनी हो जाने के बाद मंगेतर समेत उसके परिवार वालों पर दहेज में नौ लाख रुपये न मिलने पर रिश्ता तोड़ने का आरोप लगाया गया है। 10 फरवरी को युवती की शादी होनी थी। युवती के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर मंगेतर समेत छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता के पिता कन्हैया प्रसाद ने तहरीर में बताया कि उन्होंने बेटी का रिश्ता कानपुर के बर्रा निवासी बृजकुमार के बेटे सचिन कुमार के साथ तीन साल पहले तय किया था। एक साल पहले सात फरवरी को मंगनी की रश्म पूरी कर शादी की तारीख 10 फरवरी 2026 तय कर दी गई थी। आरोप है कि शादी की तारीख नजदीक आते ही मंगेतर और उसके परिवार के लोग दहेज में नौ लाख रुपये और वीवीआईपी गेस्ट हाउस में शादी कराने की मांग करने लगे। उन्होंने असमर्थता जताई तो आरोपियों ने शादी करने से इनकार कर दिया। इस पर पीड़ित ने कैंट पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में आरोपी मंगेतर सचिन कुमार समेत पिता बृजकुमार और चार अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

केरल की सैर कराएगा आईआरसीटीसी, 22 मार्च से शुरू होगा सफर

प्रयागराज। गर्मियों की शुरुआत में 'गॉड्स ओन कंट्री' यानी केरल की सैर करने के शौकीनों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने अमेजिंग केरल हवाई टूर पैकेज लॉन्च किया है। गर्मियों की शुरुआत में 'गॉड्स ओन कंट्री' यानी केरल की सैर करने के शौकीनों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने अमेजिंग केरल हवाई टूर पैकेज लॉन्च किया है। छह रात और सात दिनों का यह सफर 22 मार्च से 28 मार्च 2026 तक संचालित होगा। इस पैकेज में लखनऊ से कोच्चि जाने और त्रिवेंद्रम से वापस लखनऊ आने की सुविधा फ्लाइट द्वारा मिलेगी। वहां कोच्चि किला, मुन्नार के चाय बागान, थेक्कडी के मसाला बागान, पेरियार वन्यजीव अभयारण्य और कोवलम समुद्र तट जैसे स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। यात्रियों को तीन सितारा होटलों में ठहराया जाएगा। खाने–पीने की पूरी व्यवस्था पैकेज में शामिल होगी। आईआरसीटीसी मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रति व्यक्ति खर्च 55,200 रुपये होगा, जबकि तीन व्यक्तियों के ग्रुप में यह 52,400 रुपये प्रति व्यक्ति है। अकेले ठहरने वाले व्यक्ति के लिए किराया 78,000 रुपये निर्धारित किया गया है। इसकी बुकिंग पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर की जा रही है।

नैनी में बेकाबू डंपर किराने की दुकान में घुसा, बाल–बाल बचे परिजन

प्रयागराज। नैनी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नई बाजार में एक तेज रफ्तार डंपर असंतुलित होकर किराने की दुकान में घुस गया। इससे दुकान सहित पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में परिजन बाल–बाल बच गए। नैनी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नई बाजार में एक तेज रफ्तार डंपर असंतुलित होकर किराने की दुकान में घुस गया। इससे दुकान सहित पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में परिजन बाल–बाल बच गए। घटना को लेकर परिवार में कोहराम मचा रहा। मौके पर पुलिस पहुंच गई है। हादसे में दो व्यापारियों का मकान क्षतिग्रस्त हुआ है। नई बाजार मोहल्ले में महेंद्र केसरवानी का मकान है। आगे वाले हिस्से में वह किराने की दुकान चलाते हैं। सोमवार को भोर में करीब साढ़े चार बजे एक तेज रफ्तार डंपर मकान में घुस गया। इससे दुकान सहित मकान का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में उनके पड़ोस में रहने वाले मनोज केसरवानी के मकान को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

पेपर वायरल होने की अफवाह फैलाने वाले चार यूट्यूब चौनल रडार पर

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा–2026 को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वाले चार यूट्यूब चौनल जांच के दायरे में हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा–2026 को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वाले चार यूट्यूब चौनल जांच के दायरे में हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इन चौनलों पर हिंदी विषय का पेपर वायरल करने और भ्रामक शीर्षकों के साथ वीडियो अपलोड कर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है।

मोबाइल फोन की लत ने महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ाया मोटापा

प्रयागराज। मोबाइल फोन की लत महिलाओं में मोटापा बढ़ा रही है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के जंतु विज्ञान विभाग के एक हालिया शोध में पता चला है कि रात 11 बजे के बाद मोबाइल फोन पर सक्रिय महिलाओं में 15 फीसदी तक मोटापा बढ़ा है।

मोबाइल फोन की लत महिलाओं में मोटापा बढ़ा रही है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के जंतु विज्ञान विभाग के एक हालिया शोध में पता चला है कि रात 11 बजे के बाद मोबाइल फोन पर सक्रिय महिलाओं में 15 फीसदी तक मोटापा बढ़ा है। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की ओर से वर्ष 2024 मे यंग एसोसिएट राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित डॉ.गौरव मजुमदार और उनकी टीम की ओर से 35 महिलाओं पर रैंडम आधार पर किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है कि यह आदत महिलाओं में पॉलिसिटिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), मोटापा और मानसिक तनाव का कारण बन रही है।

डॉ.गौरव यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो, यूनाइटेड किंगडम में रिसर्च एसोसिएट के रूप में इस शोध पर काम कर चुके हैं। अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग से बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर जुड़कर अपना शोध भारतीय महिलाओं पर अध्ययन के साथ आगे बढ़ाया है। इसकी शुरुआत उन्होंने उत्तर प्रदेश की महिलाओं से की है। डॉ.गौरव बताते हैं कि आज की भागदौड़ भरी शहरी जिंदगी में हम सूरज की रोशनी से ज्यादा मोबाइल फोन और लैपटॉप की कृत्रिम रोशनी के बीच समय बिता रहे हैं। यह बदलाव केवल नींद की कमी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे शरीर के सर्केडियन रिदम को भी प्रभावित कर रहा है। इससे दूसरी तरह की बीमारियां भी जन्म ले रही हैं।

क्या है 'सर्केडियन रिदम' और क्यों है यह जरूरी

हमारे शरीर के अंदर एक प्राकृतिक घड़ी होती है, जो लगभग 24 घंटे के चक्र में काम करती है। यह घड़ी तय करती है कि कब हमें नींद आनी चाहिए, कब भूख लगनी चाहिए और शरीर को कब कौन सा हार्मोन रिलीज करना है। इसी को सर्केडियन रिदम की संज्ञा दी गई है। डॉ.गौरव के अनुसार शरीर में मेलाटोनिन नामक एक नाइट हार्मोन होता है, जो केवल अंधेरे में बनता है। रात में मोबाइल फोन की नीली रोशनी या टीवी चालू रखने से इस हार्मोन का बनना रुक जाता है, जिससे शरीर की पूरी लय बिगड़ जाती है और महिलाएं पीसीओएस, मोटापे व तनाव का शिकार हो जाती हैं।

क्या खाने से ज्यादा जरूरी है कब खाना

इस शोध का एक चौंकाने वाला पहलू यह है कि वजन बढ़ने का संबंध केवल आपके भोजन में मौजूद कैलोरी से नहीं, बल्कि आपके भोजन ग्रहण करने के समय से भी है। डॉ. गौरव बताते हैं कि रात 11 बजे के बाद भोजन करने या मोबाइल का अधिक उपयोग करने से महिलाओं में शरीर की चर्बी 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

मेडिकल कॉलेज की जांच ने शोध पर लगाई मुहर

इस शोध में मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकीय जांच में यह पाया गया कि मोबाइल की लत महिलाओं के लिए हानिकारक साबित हो रही है। उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से वित्तपोषित इस प्रोजेक्ट में डॉ.गौरव मजुमदार के साथ इविवि के जंतु विज्ञान विभाग की ही गरिमा गुप्ता (रिसर्च असिस्टेंट), मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रो.बीनू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रो. एसआई रिजवी और डॉ.गरिमा यादव की संयुक्त टीम काम कर रही है।

बच्चे डिजिटल नशे के जाल में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में उन्हें बचाने में 'फॉर्मूला–15' बेहद कारगर साबित हो रहा है। इस प्रक्रिया को रेड्यूज इंटरनेट एडिशन भी कहा जाता है। इसमें इंटरनेट की लत को कम करने के लिए डिजिटल डिटॉक्स, स्क्रीन टाइम सीमित करने और ऑफलाइन गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया जाता है। आमतौर पर जो बच्चे दिन में अधिक समय मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी, टैब व लैपटॉप पर देते हैं। उन्हें अचानक से डिजिटल दुनिया से दूर करना खतरनाक हो सकता है।

विंटर डॉन स्ट्रॉबेरी बदल रही किसान की तकदीर, हर साल कर रहे लाखों की कमाई

प्रयागराज। परंपरागत खेती से इतर मेजा के किसान जिज्ञासु मिश्रा ने व्यावसायिक खेती की ओर रुख किया है। वह पॉली हाउस बनाकर विंटर डॉन किस्म की स्ट्रॉबेरी उगा रहे हैं। किसान ने बताया कि स्ट्रॉबेरी ने उनकी तकदीर बदल दी।

परंपरागत खेती से इतर मेजा के किसान जिज्ञासु मिश्रा ने व्यावसायिक खेती की ओर रुख किया है। वह पॉली हाउस बनाकर विंटर डॉन किस्म की स्ट्रॉबेरी उगा रहे हैं। किसान ने बताया कि स्ट्रॉबेरी ने उनकी तकदीर बदल दी। वह व्यावसायिक खेती कर हर साल लाखों रुपये कमा रहे हैं।

जिज्ञासु मिश्रा के अनुसार, उन्होंने उद्यान विभाग की मदद से चार पॉली हाउस और एक नेट हाउस बनाया है। उन्होंने मल्चिंग तकनीकी से एक एकड़ में विंटर डॉन किस्म स्ट्रॉबेरी की बागवानी की। उन्होंने चार से पांच लाख रुपये लगाए। बताया कि वह स्ट्रॉबेरी से करीब 15 लाख का उत्पादन कर रहे हैं। विंटर डॉन स्ट्रॉबेरी के बारे में बताया कि इसका उत्पादन अन्य प्रजातियों से अधिक है। इसका फल अधिक चमकीला और ज्यादा समय तक चलने वाला होता है। स्ट्रॉबेरी की थोक में कीमत 400 रुपये प्रति किलो है। इसकी सप्लाई वाराणसी और लखनऊ में अधिक है।

जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव का कहना है कि कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन को प्रोत्साहित कर पॉली हाउस और नेट हाउस में बागवानी और खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत 50 फीसदी की सब्सिडी से चार पॉली हाउस बनाए हैं। जिसमें वह स्ट्रॉबेरी की बागवानी हो रही है।

अदालत डाकिया या दर्शक नहीं, मुकदमा वापसी पर दूसरे पक्ष के अधिकांरों को भी देखना होता है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत कोई डाकिया या दर्शक नहीं, जो वादी की इच्छा पर निर्भर रहे। उसे न्याय हित में देखना होता है कि इससे किसी अन्य पक्ष के अधिकारों का हनन तो नहीं हो रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत कोई डाकिया या दर्शक नहीं, जो वादी की इच्छा पर निर्भर रहे। उसे न्याय हित में देखना होता है कि इससे किसी अन्य पक्ष के अधिकारों का हनन तो नहीं हो रहा है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह, न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा और न्यायमूर्ति अजय भनोट की पूर्ण पीठ ने वाराणसी की जीरा देवी व अन्य की याचिका सुनवाई के लिए एकल पीठ के पास भेज दी। एक संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर मुन्नन देवी व अमरावती के बीच विवाद चल रहा था। मुन्नन देवी का आरोप था कि अमरावती ने धोखाधड़ी कर उनकी जमीन अपने नाम करा ली। इसे लेकर मुन्नन देवी ने ट्रायल कोर्ट में वाद दायर किया था, जो लंबित था। इसी बीच मुन्नन देवी ने जीरा देवी और घनश्याम पटेल को विवादित संपत्ति बेच दी। मुकदमा लंबित रहने के दौरान ही फरवरी 2013 में मुन्नन देवी की मृत्यु हो गई। इसके बाद उनकी बेटी फूलपत्ती वादी बनीं। उन्होंने पांच अप्रैल 2018 को बिना शर्त मुकदमा वापस लेने के लिए आवेदन किया, जिसे एडीजे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इस फैसले का विरोध करते हुए याची जीरा देवी व अन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दलील दी कि इस फैसले से उनका हित प्रभावित हो रहा है। मुकदमा वापस लेने का अधिकार वादी को है या नहीं, इसके निर्धारण के लिए जेजे मुनीर की एकल पीठ ने मामले को पूर्ण पीठ को भेज दिया।

अनुराग मित्तल, रायसा सुल्ताना बेगम और अनुराग मित्तल मामले की दी गई दलीलें...

पूर्ण पीठ में सुनवाई के दौरान याची के अधिवक्ता ब्रिज राज ने दलील दी कि बिना प्रभावित पक्ष को सुने मुकदमे को वापस लेने के आवेदन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अनुराग मित्तल के मामले में दिया गया फैसला दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) पर लागू नहीं होगा। वहीं, प्रतिवादी के अधिवक्ता ने रायसा सुल्ताना बेगम मामले का हवाला देते हुए दलील दी कि मुकदमा वापस का आवेदन देते ही वह स्वतः समाप्त हो जाता है। इस पर पूर्ण पीठ ने कहा कि रायसा सुल्ताना बेगम मामले में दिए गए फैसले में कहा गया था कि मुकदमा वापसी के लिए आवेदन देते ही मुकदमा स्वतः समाप्त हो जाता है, जिसे अब सर्वोच्च न्यायालय के 'राजेंद्र प्रसाद गुप्ता' मामले के आलोक में गलत ठहराया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट का 'अनुराग मित्तल' (2018) फैसला हिंदू विवाह अधिनियम पर आधारित था। वह सीपीसी पर लागू नहीं होगा। इसी के साथ पूर्ण पीठ ने मामले के अंतिम निपटारे के लिए उसे नियमित पीठ के पास वापस भेज दिया।

सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर का पेड़ से लटकता मिला शव, सुसाइड नोट लिखकर बृहस्पतिवार से थे लापता

प्रयागराज। उधार के 57 लाख रुपये न मिलने से परेशान सिक्योरिटी गॉर्ड कंपनी के सुपरवाइजर ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। शव पुराने नैनी पुल के नीचे स्थित एक पेड़ की डाल से लटकता मिला। वह बृहस्पतिवार से ही लापता था। सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस और परिजन उनकी खोजबीन में जुटे थे। रविवार की रात उनका शव लटकता देखा गया।

बृहस्पतिवार सुबह घर से निकले कौंधियारा निवासी सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर राकेश मिश्रा उर्फ गुड्डू का शव रविवार को रात में यमुना पुल के पास एक पेड़ से फंदे में लटकता शव मिला। उनकी बाइक से बृहस्पतिवार को उनका मोबाइल, आईडी कार्ड व सुसाइट नोट मिला था। इसमें उन्होंने उधार दिए हुए 57 लाख रुपये वापस न मिलने की बात लिखी थी। हालांकि पुलिस उनके मोबाइल की रिकॉर्डिंग व सीडीआर निकलवाकर जांच में जुटी हुई थी। कौंधियारा निवासी राकेश मिश्रा उर्फ गुड्डू पुत्र स्व. बद्रीनाथ बृहस्पतिवार सुबह घर से गंगा प्रदूषण इकाई नैनी–1 में स्थित मार्डन वीर रेस सिक्योरिटी फोर्स कार्यालय में गार्ड की ड्यूटी चेक करने पहुंचे थे। यहां पर वह अपनी बाइक खड़ी कर डिग्गी में मोबाइल, आईडी कार्ड व सुसाइड नोट रखकर कहीं चले गए। शाम तक जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिजन उनकी खोजबीन करते हुए गंगा प्रदूषण इकाई पहुंचे। यहां उनकी बाइक की डिग्गी में सुसाइड नोट देखकर सभी परेशान हो गए। सूचना पाकर पुलिस ने आस–पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए।

बृहस्पतिवार को ही मिला था सुसाइड नोट

शुक्रवार को नदी में गोताखोरों को भी तलाश के लिए उतारा गया था, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। सुसाइड नोट में उन्होंने उधार दिए हुए 57 लाख रुपये न मिलने को लेकर परेशान होने की बात लिखी थी। साथ ही इसकी रिकॉर्डिंग अपने मोबाइल में होने की भी बात लिखी थी। पुलिस मामले की जांच करते हुए मोबाइल की सीडीआर व लॉक खुलवाकर उसमें मौजूद रिकॉर्डिंग की जांच में जुटी थी। इसी बीच रविवार को रात करीब 10.30 बजे उनका शव पुराने यमुना पुल के नीचे एक पेड़ में फंदे के सहारे लटकता मिला। परिजनों का आरोप है कि पुलिस मामले में लगातार लापरवाही कर रही थी। बृहस्पतिवार को ही पुलिस को सुसाइड नोट दे दिया गया था। इसके बाद भी पुलिस उनकी खोजबीन पर लापरवाह बनी हुई थी।

कोख से खिलवाड़– पड़ोसी जनपदों तक फैला है लड़कियों के अंडाणु निकलवाने वाला नेटवर्क

प्रयागराज। किशोरियों और युवतियों को पैसे का लालच देकर आईवीएफ सेंटर में अंडाणु निकलवाने वाला गिरोह प्रयागराज के अलावा कौशाम्बी, प्रतापगढ़ समेत अन्य जिलों में भी सक्रिय है। किशोरियों और युवतियों को पैसे का लालच देकर आईवीएफ सेंटर में अंडाणु निकलवाने वाला गिरोह प्रयागराज के अलावा कौशाम्बी, प्रतापगढ़ समेत अन्य जिलों में भी सक्रिय है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है। आरोपी हिमांशु के मोबाइल फोन से मिले 10 से अधिक फर्जी आधार कार्ड और करीब 40 युवतियों के फोटो को आपस में मिलान करने में इसका खुलासा हुआ। पुलिस ने जब आधार कार्ड का रिकॉर्ड देखा तो ऐसी कई युवतियों के नाम पता चले। इनकी सूची बनाई जा रही है। पुलिस जेल भेजे गए पांचों आरोपियों के मोबाइल को जब्त कर सभी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवा रही है। एसीपी थरवई अरुण पाराशर ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं पर जांच चल रही है कई और खुलासे हो सकते हैं। जांच में पता चला है कि जिस किशोरी के अंडाणु निकाले गए, आरोपी पलक उसे हिम्मतगंज की एक दरगाह पर ले जाकर ब्रेन वॉश कर पैसों का लालच देती थी। मामले में पुलिस धर्मांतरण के पहलू पर भी जांच कर रही है। आईवीएफ सेंटर के दो–तीन कर्मचारियों की भी इस पूरे खेल में भूमिका सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, इन सभी के बयान दर्ज होने के बाद मामले में और भी खुलासा हो सकता है।

पिता की मृत्यु के 20 साल बाद अनुकंपा नियुक्ति का दावा खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को तत्काल वित्तीय संकट से उबारना है न कि इसे रोजगार के एक सामान्य स्रोत के रूप में देखा जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को तत्काल वित्तीय संकट से उबारना है न कि इसे रोजगार के एक सामान्य स्रोत के रूप में देखा जाना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने 20 साल पुराने मामले में देरी के आधार पर अपील खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने मोहम्मद दानिश की याचिका पर दिया है। संभल निवासी याची के पिता की मृत्यु वर्ष 2005 में हुई थी। उस समय याची की आयु लगभग नौ वर्ष थी। याची ने 2014 में वयस्क होने के बाद 2015–16 और 2019 में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन करने का दावा किया। सुनवाई न होने पर पिता की मृत्यु के 20 साल बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। एकल पीठ ने उसकी याचिका खारिज कर दी। याची ने इस फैसले के खिलाफ विशेष अपील दायर की। खंडपीठ ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि मृत्यु के 20 साल बाद भी परिवार में तत्काल वित्तीय तंगी और संकट बना हुआ है, ऐसा नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने विशेष अपील खारिज कर दी।

बरातियों से भरी दो कार पुलिया से टकराकर नहर में गिरी, दो युवकों की मौत

प्रयागराज। बरातियों से भरी दो कारें पुलिया से टकराने के बाद नहर में गिर गईं। हादसा रविवार की रात में हुआ। हादसे में कार सवार दो युवक लापता थे, जबकि बाकी लोकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घंटों चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद दोनों युवकों का शव बरामद किया गया।

कोरांव–इमांडगंज मार्ग पर बढ़वारी खुर्द गांव में रविवार देररात बरात में जा रही दो कार पुलिया से टकराकर नहर में गिर गई। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से कारों को बाहर निकाला गया। हादसे में दो कार सवार नहीं मिले। पूरी रात उनकी खोजबीन चलती रही। सुबह दोनों की लाश बरामद हुई।

खीरी थाना क्षेत्र के गडरी गांव निवासी लालजी शुक्ल सीआरपीएफ में एएसआई हैं। रविवार रात उनके बेटे अभिषेक की बरात कोरांव के घूघा गांव जा रही थी। बरात में शामिल दो कारें अंधेरे में अनियंत्रित होकर नहर की पुलिया से टकराईं और नीचे जा गिरीं। पास में मौजूद कुछ ग्रामीणों ने शोर मचाया तो और लोग भी पहुंच गए। इतने में पुलिस भी पहुंच गई।

एक कार किसी तरह खींच कर किनारे कर दी गई। कार से रीवा के शुभम शुक्ला, सौरभ गौतम, आजमगढ़ के संदीप, जौनपुर के विशाल मौर्य, गाजीपुर के वसीम और बरेली के अनूप सिंह व रोहित सहित सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं गाजीपुर के प्रदीप कुशवाहा और अंशु का पता नहीं चल सका। पुलिस टीम उनकी खोजबीन में जुटी रही। एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। भोर में लापता दोनों युवकों की लाश बरामद हुई। कार नहर में गिरने के बाद लापता हुए दोनों युवकों का शव घटनास्थल से 50 मीटर की दूरी परबरामद हुआ। एनडीआरएफ टीम व पुलिस बल ने काफी मशक्कत के बाद शव को बरामद किया। प्रदीप कुशवाहा उर्फ पिंटू (30) पुत्र शिवमोहन निवासी अतर्रा जिला बांदा व अनीश सिंह (20) पुत्र नमो नारायण सिंह निवासी शेरुहिया थाना फेफना जिला बलिया के परिजन मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में पाँच दिवसीय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज में आयोजित पाँच दिवसीय वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं शासी निकाय के माननीय सदस्य मुख्य अतिथि प्रो. हर्ष कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. हर्ष कुमार ने भारत सरकार के प्रेरणादायी नारे "खेलेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया" की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सीएमपी डिग्री कॉलेज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं के लिए कॉलेज प्रबंधन एवं प्राचार्य की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का भी विकास करते हैं।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अमित सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रंजीत सिंह ने किया। प्रतियोगिता के प्रथम दिन बालक एवं बालिका वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

वॉलीबॉल बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में स्नातक वर्ग की छात्राओं ने विज्ञान वर्ग को पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं बालक वर्ग में बी.ए. एलएल.बी. के छात्रों ने स्नातक वर्ग के छात्रों को हराकर प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की। इस अवसर पर डॉ. मुनीन्द्र, डॉ. अखिलेश, डॉ. अनिल श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। उत्साह, अनुशासन और खेल भावना से परिपूर्ण इस आयोजन ने महाविद्यालय परिसर को जीवंत बना दिया।

14 फरवरी को सत्य सनातन धर्म सम्मेलन से होगा 26 वें महाकाल महोत्सव का आगाज

शंखनाद से होगा विधिवत शुभारम्भ / जुटेगें सिद्ध संत व विद्वान, 15 फरवरी महाशिवरात्रि को जलाभिषेक व दर्शन की सुव्यवस्था होगी प्राथमिकता

16 फरवरी को पत्रकार सम्मेलन व किसान सम्मेलन का होगा आयोजन, 17 फरवरी को राज्य महिला आयोग द्वारा चौपाल व जनसुवाई व विराट कवि सम्मेलन

प्रतापगढ। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 26वें महाकाल महोत्सव के भव्य आयोजन का आगाज 14 फरवरी को सत्य सनातन धर्म सम्मेलन से होगा। सम्मेलन में सिद्ध सन्त व सनातनी विद्वानों को मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन की शुरूवात शंखनाद से होगा। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के महापर्व पर सुबह से ही जलाभिषेक व दर्शन व्यवस्था व मेला नियंत्रण व प्रबन्धन होगी सभी की प्राथमिकता।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि सत्य सनातन धर्म सम्मेलन में प्रसिद्ध संतों व विद्वानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है जिसमें आचार्य देवब्रत जी महराज, आचार्य अतुल जी महराज, भागवत भूषण विजयकान्त तिवारी जी महराज, सिद्ध सन्त मनोज ब्रम्हचारी जी, योगी दुर्गेश जी महराज, जंगल बाबा जी व सनातन हितकारिणी न्यास के अध्यक्ष ठाकुर प्रकाश सिह व प्रो0 विमला व्यास को आमंत्रित किया गया है। सनातन धर्म सम्मेलन के संयोजन अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र व कथा व्यास धीरेन्द्र शुक्ल जी तथा पतंजलि योगपीठ शाखा कटरा गुलाब सिंह द्वारा होगी। 14 फरवरी को ही शाम 6 बजे से सामूहिक सुन्दर कान्ड का पाठ तथा भजन सत्संग होगा। 15 फरवरी की रात्रि में पुजारी भोलानाथ तिवारी के मार्गदर्शन में मूख्य मन्दिर का परम्परागत विशेष पूजन क्षेत्रीय समाज की भागीदारी से होगा। 16 फरवरी को दोपहर 12 बजे से नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट, प्रेस क्लब प्रतापगढ व भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा अर्न्तजनपदीय पत्रकार सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसका संयोजन महासंघ के प्रांतीय महासचिव व वरिष्ठ पत्रकार अजय पाण्डेय करेगें। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र, संयोजक भगवान प्रसाद उपाध्याय, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धूरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल तथा नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट के प्रान्तीय महासचिव व दैनिक लोकमित्र के सम्पादक संतोष भगवन जी, लखनउ से बरिष्ठ पत्रकार डा शक्ति कुमार पाण्डेय व डा0 मत्स्येन्द्र प्रभाकर जी प्रतिभाग करेगें।

महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे से राज्य महिला आयोग द्वारा चौपाल व जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य महिला आयोग की माननीय सदस्य प्रतिभा कुशवाहा जी प्रतिभाग करेगी। जनकवि प्रकाश जी की अध्यक्षता व गीतकार डा0 अशोक अग्रहरि के संयोजन में विराट कवि सम्मेलन से महोत्सव व मेले का समापन होगा।

महोत्सव में विविध धार्मिक व सामाजिक तथा सांस्कृतिक आयोजित कार्यक्रम होगें। कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह. उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह. उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय तथा उपाध्यक्ष मीडिया पी बी सिंह एवं संगठन सचिव राज किशोर मिश्र तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को समस्त कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान किया जाना तय हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

प्रथम शुद्धि पत्र

टेंडर नोटिस संख्याः- सीएम-2/एसटीबीए/स्टेशन वाइज/2026/1 दिनांकः 09.02.2026 प्रयागराज मंडल द्वारा निविदा सूचना संख्याः सीएम-2-एसटीबीए-स्टेशन वाइज-2026/1 दिनांकः 05.02.2026 में निम्नलिखित सुधार/संशोधन किये गए हैं।

पूर्व में प्रकाशित स्टेशन का नाम	संशोधित स्टेशन का नाम
AGY, CUK, KHRY, SKGH, JEP, KYT, DAP, BEO, JIA, IDGJ, LOG, MJHR, MFX, SYWN, MNJ, BDNP, SJT, KTCE, FYZ, KKS, AUNG, KSQ, KBN, PMPR, RXM, KAHL, MWUE, SOM, SBDR, SRJ, DBR, BRE, GOY, PNKD, JLS, CHL एवं DKDE	AGY, CUK, KHRY, SKGH, JEP, KYT, DAP, BEO, IDGJ, LOG, MJHR, MFX, SYWN, MNJ, BDNP, SJT, KTCE, FYZ, KKS, AUNG, KSQ, KBN, PMPR, RXM, KAHL, MWUE, SOM, SBDR, SRJ, DBR, BRE, GOY, PNKD, JLS, CHL एवं DKDE. पूर्व में प्रकाशित जिगना (JIA) स्टेशन का नाम सूची से पृथक किया जाता है।

269/26(A)

North central railways | @CPRONCR

आध्यात्मिकता से ज्ञान चक्षु खुलती हैं : पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि दार्शनिक ज्ञान पाकर इंसान अपनी ज्ञान की चक्षुओं को खोलता है। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि इंसान को महान बनाने वाली ज्ञान की आंख पाने के लिए, आध्यात्मिक दर्शन को गुरु समझने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एक ऐसी पीठ है जो सैकड़ों सालों से धार्मिक सद्भाव सम्मेलनों का आयोजन करके और आध्यात्मिक दर्शन को बढ़ावा देकर मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए तत्पर है। बाद में, पीठाधिपति ने सभा में उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की रिपोर्ट 2026और ब्रोशर का लोकार्पण किया।

रेलवे बोर्ड के सदस्य नूर अहमद, हुसैन शाह, पीठ के सदस्य एवीवी सत्यनारायण, रेखा सत्यनारायण, छत्, डिड्डी सूर्यकुमार, छत्, श्रीधर, डॉ. एन. रामगोपाल वर्मा, के. स्वर्णलता, टी. साई वेंकन्ना बाबू चिंतापल्ली अमृतवल्ली और अन्य लोगों ने जल, पृथ्वी, अग्नि, वायु और आकाश के तत्वों पर विस्तृत भाषण दिया, जो 84 लाख निर्जीव जन्मों का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व विज्ञान आध्यात्मिक यूनिवर्सिटी है, जो सैकड़ों सालों से समय–समय पर वेदांत की शिक्षा दे रही है, वही श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने गुरु से फिलॉसॉफिकल ज्ञान हासिल किया है, वे जान पाएंगे कि मंत्र ही गुरु है और गुरु ही मंत्र है। उन्होंने कहा कि सबसे ऊंचा पीठ जो सिखाता है कि इंसानियत की सेवा ही माधव की सेवा है, वही श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ है।

इस मौके पर ताडेपल्लीगुडेम के विधायक और गवर्नमेंट व्हिप बोलिसेट्टी श्रीनिवास राव, काकीनाडा डिस्ट्रिक्ट डीसीसीबी के चेयरमैन तुम्मला रामास्वामी उर्फ घ्बाबू, वासीरेड्डी येसुदास, मशहूर कवि और लेखक यमिजाला आनंद, मशहूर कवि डॉ. सिरीश, फिल्म गीतकार पोलागनी भानु तेजश्री, योग भारत फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. ज्योतुला नागेश्वर राव, भारत पब्लिक स्कूल के कॉरेस्पोंडेंट गट्टी श्रीकृष्ण देवरायालु, ओएनजीसी के, इंजीनियर चिन्नी सत्यनारायण मूर्ति और दूसरे लोग उपस्थित थे। उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट ने आश्रम में बच्चों के लिए 36 सेंटर बनाए ग जिनमें एक मिल्क सेंटर, चाइल्ड केयर सेंटर और प्राइमरी मेडिकल कैंप शामिल हैं। पीठम द्वारा चलाए जा रहे आध्यात्मिक चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम में ट्रेनिंग ले रहे बच्चों ने मास्टर रेका उषा किरण ब्रदर्स के लेक्चर से दर्शकों को इम्प्रेस किया।

मीटिंग में हुए संगीत कार्यक्रम में ए. उमा बैंड के गाए कीर्तन ने दर्शकों का मनोरंजन किया। मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए देश–विदेश से आए हजारों मेंबर्स के लिए आश्रम में फ्री खाने की सुविधा दी गई थी। इस मौके पर 351 लोगों ने गुरु मंत्र लिया। पीठम के संयोजक पेरूरी सुरीबाबू, पीठम के मीडिया कन्वीनर अकुला रवि तेजा, सेंट्रल कमिटी मेंबर्स, एनटीवी वर्मा, डॉ. पिंगली आनंद कुमार, भास्कर और दूसरे लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

आरेडिका की उपलब्धियों पर प्रेस वार्ता एवं महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा की पुस्तक 'टेल्स फ्रॉम रेल्स' का विमोचन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली (आरेडिका) में महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने आरेडिका की वित्तीय वर्ष 2025दृ26, 31 जनवरी 2026 तक की उपलब्धियाँ पर वार्ता करते हुए बताया कि:

कोच उत्पादन में आरेडिका ने 1 अप्रैल 2014 से अब तक कुल 15,369 डिब्बों का उत्पादन किया।

चालू वर्ष में 1,679 डिब्बों का निर्माण कर रेल सेवा को समर्पित।

कुल उत्पादन में से 1,600 डिब्बे (95:) सामान्य एवं शयनयान श्रेणी के–साधारण यात्रियों की सुविधा हेतु निर्मित।

वंदे भारत चेयर कार उत्पादन बढ़ाने हेतु विशेष पहल।

16 डिब्बों वाली प्रथम वंदे भारत चेयर कार रेक का निर्माण फरवरी 2026 में प्रस्तावित।

फोर्ज्ड व्हील उत्पादन

रेलवे बोर्ड लक्ष्यरू 50,000 पहिए

उपलब्धि (जनवरी 2026 तक):

व 54,075 पहियों की फोर्जिंग

व 50,751 पहियों की मशीनिंग

व 49,166 पहिए पूर्ण (स्टैम्पिंग) की जा चुकी है।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत हजारों पौधों एवं बीजों का रोपण।

वर्षा जल संचयन संरचनाएँ, तालाब एवं रिचार्ज बोरवेल निर्मितकृकुल क्षमता 748 मिलियन लीटर।

हरित पार्क, बच्चों के उद्यान एवं पारिस्थितिकीय विकास से जुड़े विविध कार्य।

आरेडिका की उपलब्धियों पर वार्ता के साथ ही महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा की पुस्तक "टेल्स फ्रॉम रेल्स" का विधिवत् विमोचन किया गया। इस अवसर पर रेल इंथुज़ियास्ट सोसायटी के सक्रिय सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार तथा आरेडिका के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

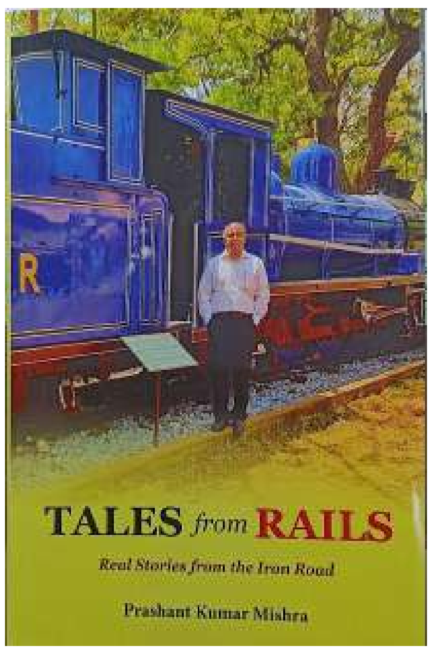

भारतीय रेलवे सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं विख्यात रेलवे इतिहासकार श्री पी. के. मिश्रा ने कहा कि "टेल्स फ्रॉम रेल्स" भारतीय रेल की आत्मा में उतरने वाली एक अद्वितीय साहित्यिक यात्रा है, जहाँ इस्पात पटरियाँ और भाप के इंजन केवल भौगोलिक दूरियाँ ही नहीं पार करते, बल्कि समय, समाज और साम्राज्य के नियमों को भी पुनर्लेखित किया। मात्र तकनीकी विकास से आगे बढ़ते हुए, बत्तीस कहानियों और निबंधों का यह संग्रह "भूतिया श्रमिकों", आधी रात की डाक गाड़ियों और पटरियों के नीचे दबे बुद्ध की रहस्यमय खोज जैसे विलुप्त संसार को पुनर्जीवित करता है। फ्रांसीसी एन्क्लेवों की उच्चस्तरीय कूटनीति से लेकर जमालपुर की घुड़दौड़ की सामाजिक परंपराओं तक, ये कथाएँ गहन अभिलेखीय शोध को काव्यात्मक और भावपूर्ण गद्य के साथ सहज रूप से पिरोती हैं। यह कृति उस मौन क्रांति का अनिवार्य इतिहास है जिसने आधुनिक भारत की आत्मा को गढ़ा। पुस्तक में रेल से संबंधित कुल 32 सत्य घटनाओं पर आधारित कहानियाँ संकलित हैं।

श्री मिश्रा आरेडिका में आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। वे वर्तमान में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के महाप्रबंधक हैं तथा रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। संगोष्ठी के दौरान उन्होंने पूर्वी रेलवे के निर्माण, इतिहास एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने रेलवे इतिहास से जुड़े कई अनछुए पहलुओं तथा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों से अधिकारियों को अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि श्री मिश्रा आसनसोल, मालदा एवं अलीपुरद्वार मंडलों में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के रूप में सेवाएँ दे चुके हैं। उन्होंने रेलवे इतिहास पर व्यापक शोध कार्य किया है तथा विभिन्न पदस्थापनाओं के दौरान रेलवे की प्राचीन इमारतों और महत्वपूर्ण धरोहरों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पुस्तक विमोचन समारोह में साहित्यकार पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह, एम एल भट्ट पूर्व कुलपति किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं निदेशक कैंसर संस्थान, लखनऊ, तथा रेल इंथुज़ियास्ट सोसायटी के सदस्यों में श्री संजय मुखर्जी (सेवानिवृत्त सदस्य, वित्त, रेलवे बोर्ड), श्री अतुल्य सिन्हा (रेल साहित्य विशेषज्ञ), जस्टिस एस. पाल, प्रो. जोयदीप दत्ता, तपन कुमार पाल, वैभव, वियान, संदीप शर्मा, हरप्रीत सिंह, तमिश सिंह, पवन कोप्पा, विवेक खरे प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/आरेडिका सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने पुस्तक के गहन शोध एवं आकर्षक शैली की सराहना की। मंच संचालन नंदिनी एवं अस्थानन्द पाठक उप मुख्य्य वित्त्त सलहाकार एवं मुख्य्य लेखाधिकारी ने किया।

पी.आर.पब्लिक स्कूल फेयरवेल समारोह में कक्षा 12 के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल में आज कक्षा 12 के छात्र –छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल, स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल ,दिव्या शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कक्षा 11 के विद्यार्थियो ने कक्षा 12 के छात्र–छात्राओ का तिलक लगाकर स्वागत किया ।कक्षा 11के छात्र–छात्राओं ने कविता, भाषण ,गेम ,नाटक आदि रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विदा होने वाले विद्यार्थियों ने कविता, कॉमेडी आदि के माध्यम से विद्यालय में एकत्र की गई अपनी यादों को प्रधानाचार्य और शिक्षकों के साथ साझा किया। बच्चों को उनकी प्रतिभा के आधार पर टाइटल दिए गए । वंश पाल और दीक्षा चौधरी को मिस्टर फेयरवेल और मिस फेयरवेल चुना गया । स्कूल शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा करते हुए बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल जी ने छात्राओं को परीक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने भी बच्चों को शुभाशीष दिया ।उन्होंने कहा–आज आप सभी को विदा करते हुए, हमारे दिल में गर्व और थोड़ी उदासी दोनों है। आपने अपनी निष्ठा और समर्पण से हमारे स्कूल का नाम रोशन किया है। हमें याद है कि आपने कितनी लगन से पढ़ाई की। आप जहां भी जाएंगे, सफलता ज़रूर प्राप्त करेंगे। आपकी मेहनत और लगन हमेशा आपको उच्च शिखर तक पहुंचाएगी। आपके साथ बिताया गया हर पल हमें गौरवान्वित महसूस कराता है। हम कामना करते है कि आप अपने दृढ़ संकल्प से सभी बाधाओं को पार करेंगे। हमेशा याद रखें कि सीखना कभी बंद न करें और अपने नैतिक मूल्यों को बनाए रखें। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका राखी पाल और कक्षा 11वीं की छात्रा कनिका शर्मा तथा कक्षा 11 के छात्र व नमन सिंघल द्वारा किया गया । कार्यक्रम का समापन कक्षा 12 के विद्यार्थियों तथा स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा आकाश में गुब्बारे उड़ा कर किया गया। आज के इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्रवीण कुमार ,दिव्या शर्मा, शिखा ठाकुर, विशांक त्यागी, प्रज्ञा सिंधी, अनुपम सैनी, शंकर शर्मा, विश्व बंधु शर्मा ,दीपक मलिक आदि का विशेष योगदान रहा।

कहता रंग वसन्त

(छप्पय)

सृजनशील यह प्रात सुखन बन दिल में छायी।
अंधियारे को मेट कष्ट को हरने आयी।
कहता रंग वसन्त प्रेम की पाती लिखना।
रिश्तों के अनुसार मिलन की बाते कहना।
शीतलता की छाँव से ज्वालाओं की द्व न्द में।
तुम वसन्त का गीत बन उतरो सबके कण्ठ में।।

उर में बसा वसन्त प्रेम की पाती पढ़ता।
रिश्ते हुए नवीन पुराने सबसे कहता।
प्रिय प्रिय भाव–प्रभाव दिखें शब्दों के अन्दर।
दिल में भरें हुलास बनें जब प्रेम–समन्दर।
जीवन–मधुर प्रभात का मधुरिम हास विलास है।
जिसके हर इक रंग में हर्ष उमंग मिठास है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सांस्कृतिक चेतना शक्ति द्वारा शिव उत्सव कार्यक्रम भावपूर्ण वातावरण में संपन्न

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के पावन पर्व की पूर्व तैयारियों के अंतर्गत सांस्कृतिक चेतना शक्ति द्वारा शिव उत्सव के रूप में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम राजरूपपुर, प्रयागराज स्थित सस्था की प्रदेश सचिव श्रीमती सरस्वती पाण्डेय के आवास पर गरिमामयी एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने शिवदृपार्वती, गणेश, नंदी सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक वेशभूषाओं में भावपूर्ण नृत्य एवं प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे वातावरण भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना से ओत–प्रोत हो उठा।

अध्यक्ष सांस्कृतिक चेतना शक्ति श्रीमती पूनम तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान शिव के आदर्श हमें कर्म, धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देते हैं। शिव उत्सव जैसे आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना के विकास का सशक्त माध्यम बनते हैं।

प्रदेश सचिव श्रीमती सरस्वती पाण्डेय ने कहा कि शिव उत्सव के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति, भक्ति और नैतिक मूल्यों के संस्कार विकसित करने का सतत प्रयास किया जा रहा है, तथा उनकी प्रस्तुतियों ने नई पीढ़ी की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को दर्शाया। जिला सचिव अंजू त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों की प्रस्तुतियों में प्रतिभा, अनुशासन और श्रद्धा का सुंदर संगम दिखाई दिया और ऐसे आयोजन उनके आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि, डॉ, प्रदीप चित्रांशी. और विशिष्ट अतिथि राम लखन चौरसिया ने बाल कलाकारों में शगुन तिवारी, सनाया तिवारी, समृद्धि तिवारी, अदिति गुप्ता,स्मिता सिंह,अभिलाषा श्रीवास्तव,एवं अन्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर समाज में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर प्रीति श्रीवास्तव (जिला अध्यक्ष), अर्चना श्रीवास्तव, सहित अनेक पदाधिकारी, उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी–

डॉ. राहुल शुक्ल 'साहिल' राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, साकिब सिद्दीकी 'बादल' प्रदेश अध्यक्ष अन्नू विश्वकर्मा प्रदेश अध्यक्ष, युवा चेतना शक्ति, सरजीत गौतम, संध्या कनौजिया, अध्यक्ष, युवा चेतना शक्ति विनीत तिवारी जिला महासचिव, सांस्कृतिक चेतना शक्ति, अन्य उपस्थित लोग राहुल श्रीवास्तव, अर्चना, दा लिली लिव,राजेंद्र त्रिपाठी,सोनी त्रिपाठी, मिथलेश विस्वकर्मा,तनुज।

मान्यता प्राप्त पत्रकार इकबाल खान संदिग्ध बाइक की टक्कर में गंभीर रूप से घायल

बांदा। इकबाल खान मान्यता प्राप्त पत्रकार जो कि देर साम को अपने आफिस से घर की तरफ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में साजिश के तहत एक्सीडेंट किया गया , कुछ अज्ञात लोगों द्वारा इकबाल खान का मोबाइल भी तोड़ दिया गया, घायल अवस्था में स्थानीय लोगों की मदद से इकबाल खानको, जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर द्वारा, इकबाल खान का इलाज किया गया।

डॉक्टर द्वारा बताया गया कि ,आपके कंधे की हड्डी टूटी हुई है, सर पर गंभीर चोट आई है, चेहरे पर भी चोट के निशान है, शरीर में अन्य जगह भी कई चोटें हैं, जिसका इलाज करते हुए डॉक्टर ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, घायल अवस्था में इकबाल खान की तहरीर के आधार पर, नगर कोतवाली पुलिस ने चौकी इंचार्ज को जांच सौंपा है, देखना है कि जांच में साजिश का खुलासा कब तक होता है।

उत्तर प्रदेश में पत्रकारों पर जानलेवा हमला आम बात होती जा रही है, सरकार के आदेश के बाद भी पत्रकारों पर जान लेवा हमले होना गंभीर विषय है स्थानीय प्रशासन को चाहिए ऐसे मामलों को सख्त कार्रवाई करते हुए तीव्रता से निस्तारित करें जिससे ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ-09-25-26 दिनांकः 06.02.2026

ई-निविदा सूचना (विद्युत निर्माण)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 03.03.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है:- निविदा खुलने की तिथिः 03.03.2026

क्र.सं.: 1	प्रकाशित कार्य की लागत (रू0 में): ₹ 7,99,75,202.88
कार्य का नाम : सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ (2x25KV, AC, 50Hz), ओ.एच.ई. ऑफ इटावा फ्लाईओवर एंड मॉडिफिकेशन इन एक्सिस्टिंग ओ.एच.ई. इन कनेक्शन विथ प्रोजेक्ट आफ लिंक लाइन बिटवीन ETW-BIX लाइन एंड ETW-MNQ लाइन वाया फ्लाईओवर एंड एडिशनल लिंक लाइन फ्रॉम भिंड लाइन टू ETW (10 KM) प्रयागराज डिवीजन इन एन. सी. रेलवे।	
बोली प्रतिभूति (रू0 में): ₹ 5,39,900.00	कार्य अवधिः 18 माह

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी ई-निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 277/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय........

मोदी और कार्नी : एक नए ग्लोबल ऑर्डर के रचयिता

इकोनॉमिक नैशनलिज्म के फिर से उभरने से दुनिया की राजनीति में पुराने रिवाज हिल गए हैं और नियमों पर आधारित इंटरनैशनल ऑर्डर में भरोसा डगमगा गया है। यह सबसे साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर के दौरान दिखा, जिसमें न सिर्फ दुश्मनों को, बल्कि साथियों को भी टारगेट किया गया। भारत, जो कभी अमरीका की इंडो–पैसिफिक पॉलिसी में एक पसंदीदा पार्टनर था और कनाडा, जो एक अच्छा पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा दोस्त था, दोनों टैरिफ का शिकार हुए। मैसेज साफ था–स्वार्थ से चलने वाली दुनिया में, भरोसेमंद पार्टनर भी अब स्थिरता को हल्के में नहीं ले सकते।इसने मध्यम और उभरते देशों को ग्लोबल सिस्टम में अपनी जगह पर फिर से सोचने पर मजबूर किया। यहीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और मार्क कार्नी के बताए गए विचार खास अहमियत रखते हैं। साथ मिलकर, अपने कामों और अपने आइडिया के जरिए, वे सहयोग और नियमों के सम्मान पर आधारित एक बैलेंस्ड ग्लोबल ऑर्डर की ओर इशारा करते हैं। दावोस में कार्नी ने समाज के उस हिस्से की आवाज बनकर बात की, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है–डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग दुनिया की 'मिडल पावर्स'। उनकी स्पीच ने बड़े पावर स्ट्रगल और आर्थिक संकटों में फंसे देशों की नाराजगी को साफ तौर पर दिखाया। इससे भी जरूरी बात यह है कि उन्होंने दुनिया को एक नई वोकैबुलरी दी, जिसने डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग देशों के बीच बढ़ते गैप को कम करने और एक सांझा भविष्य की रक्षा करने की सांझी जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्नी का संदेश साफ था–रूल्स–बेस्ड ऑर्डर पर दबाव है लेकिन यह न तो आऊटडेटेड है और न ही रिप्लेसेबल। इसे रिफ्रैश करने की जरूरत है, छोडने की नहीं। इसी ग्लोबल इनस्टेबिलिटी के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी की अप्रोच कम शोर वाली रही लेकिन कम असरदार नहीं। बयानबाजी की बजाय, भारत ने रणनीतिक आर्थिक राजनीति पर फोकस किया। ट्रेड वॉर के एक दौर के बाद, नई दिल्ली ने न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपियन यूनियन जैसे पार्टनर्स के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स को तेजी से आगे बढ़ाया है। ये एग्रीमैंट इंटरनैशनल ट्रेड में बहुत जरूरी स्थिरता देते हैं, खुलेपन के लिए भारत की कमिटमैंट दिखाते हैं और इसे ग्लोबल कैपिटल के लिए एक पसंदीदा मार्कीट और गंतव्य बनाते हैं। सप्लाई चेन में रुकावटों और अस्थिर कैपिटल फ्लो के समय में, भारत स्थिरता का एक मजबूत पिल्लर बनकर उभरा है। इन दोनों अप्रोच का कॉम्बिनेशन–कार्नी की आइडियोलॉजिकल दिशा और मोदी का प्रैक्टिकल परफॉर्मैंस–एक मजबूत कम्युनिटी के लिए स्टेज तैयार करता है। मार्च में कार्नी का भारत दौरा, जिसके दौरान एक बड़ी एनर्जी डील होने की संभावना है और कॉम्प्रिहैंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सी.ई.पी.ए.) पर बातचीत चल रही है, इस कॉम्बिनेशन को दिखाता है। एक स्ट्रक्चर्ड इंडिया–कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमैंट से दोनों देशों को फायदा होगा–एनर्जी को–ऑप्रेशन मजबूत होगा, सप्लाई चेन में डायवर्सिटी आएगी और इन्वैस्टमैंट फ्लो बढ़ेगा। मोटे तौर पर, भारत और कनाडा दुनिया में स्थिरता के केंद्र बन सकते हैं। दोनों ही प्लूरलिस्टिक डैमोक्रेसी हैं, ग्लोबलाइजेशन के लाभार्थी हैं लेकिन इसकी इनइक्वालिटीज के बारे में भी अच्छी तरह जानते हैं। इकोनॉमिकली, डिप्लोमैटिकली और मोरली एक साथ आगे बढ़कर, ये दोनों देश रूल्स–बेस्ड ऑर्डर में भरोसा बनाए रख सकते हैं–एक ऐसा सिस्टम, जो सिर्फ पावरफुल लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। ग्लोबल लीडरशिप अब सिर्फ दबदबे से तय नहीं होती। इसे पुल बनाने, भरोसा फिर से बनाने और तब स्थिरता देने से तय किया जाता है, जब दूसरे देश जीरो–सम सोच की ओर मुड़ जाते हैं। अलग–अलग तरीकों से, मोदी और कार्नी एक ही काम कर रहे हैं–चुपचाप एक नए ग्लोबल ऑर्डर का ब्लूप्रिंट बना रहे हैं।

टैरिफ वार छेड़ने वाले ट्रम्प आखिर भारत के सामने कैसे नतमस्तक हुए

रवि शंकर

ट्रम्प को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेडना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ कारोबार तक ही सीमित नहीं, बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, खासकर अमरीकी आक्रामक कारोबार नीति पर।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमरीका की इसी आक्रामकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेजी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक्त लग सकता है क्योंकि इसे कानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पाघ्लयामैंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमैंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमरीका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमरीका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने अमरीका को आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा। यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमरीका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था। यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रम्प के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमरीका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही भारत–ई. यू. डील को विकास, निवेश और रणनीतिक सांझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है कि दुनिया को जब डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर झकझोर रही थी, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमरीका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रम्प को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेडना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ कारोबार तक ही सीमित नहीं, बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, खासकर अमरीकी आक्रामक कारोबार नीति पर। अमरीका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाजार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। ऐसे में भारत और ई.यू. के बीच हुई डील अमरीका के लिए एक रणनीतिक झटका है, क्योंकि इससे अमरीका–भारत ट्रेड एग्रीमैंट की संभावनाएं कमजोर होती दिख रही थीं। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दर्शाता है। इसी कदम ने संभवतरू अमरीका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रम्प को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलनी पड़ी।भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों, जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। साफ है, भारत ने अमरीका के साथ सीधे टकराव की बजाय धैर्य, कूटनीति और वैकल्पिक बाजारों की रणनीति अपनाई। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमरीका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां भी पेश करता है। यह दर्शाता है कि प्रमुख ग्लोबल अर्थव्यवस्थाओं के बीच संरक्षणवाद बढ़ रहा है। देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए टैरिफ और व्यापार धमकियों का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं कर रहे। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा। अगर अमरीका और ई. यू. जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। यह समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। विशेष रूप से उन देशों के साथ, जो प्रमुख व्यापारिक भागीदार हैं ताकि भविष्य में संभावित व्यापारिक दबावों से बचा जा सके। यह ग्लोबल ट्रैंड भारत को 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

राहुल गांधी के प्रश्न उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित

विश्वास डावर

एल.ए.सी. पर कैलाश रेंज के संबंध में राहुल गांधी के प्रश्न, जिनमें सरकार पर उचित प्रतिक्रिया देने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है, वे चीनी कार्रवाई से उत्पन्न एक पेचीदा स्थिति का बहुत ही मजबूती और बुद्धिमानी से जवाब दिया। कार्रवाई का तरीका सैन्य जनरलों पर छोडने का प्रधानमंत्री का निर्णय बहुत बुद्धिमानी भरा हैं, क्योंकि युद्ध के मैदान की जमीनी हकीकत राजनीतिक निर्णय लेने की तुलना में बहुत अलग और कहीं अधिक जटिल होती है। उदाहरण के लिए, रूस के खिलाफ हिटलर का

एल.ए.सी. कैलाश रेंज पर चीनी सेना की कार्रवाइयों से उत्पन्न स्थितियों में सैन्य कार्रवाइयों के संबंध में उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री द्वारा स्थिति को संभालना बहुत ही त्वरित था और सेना प्रमुख को उनके द्वारा उचित समझे जाने वाले तरीके से चीनी सेना को जवाब देने के उनके आदेश बिल्कुल सही थे। मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जनरलों और कमांडरों ने था। चूंकि मौके पर (युद्ध के मैदान में) मौजूद लोग ही स्थिति को अनावश्यक रूप से बढ़ाए बिना चीनी आक्रामकता को रोकने और पीछे हटाने के लिए आवश्यक आदेशों के प्रकार तय करने हेतु सबसे अच्छे जज होते हैं, इसलिए पी.एम. का फैसला पेशेवरों (सेना) पर छोडना सही था। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां सैन्य मामलों में राजनीतिक नेतृत्व के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आपदाएं आई हमला और उसके बाद अपने जनरलों की विशेषज्ञ सलाह सुनने से उसका इंकार, जिन्होंने उसे रूसी क्षेत्र में गहराई तक न जाने की चेतावनी दी थी, जिसका परिणाम रूसी मोर्चे पर जर्मन सेना का पूर्ण विनाश हुआ। हिटलर ने मध्य पूर्वी मोर्चे पर भी यही गलती की थी, जहां उसने जनरल रोमेल (जिन्हें आमतौर पर 'डैजर्ट फॉक्स' के रूप में जाना जाता है) के सुझावों को खारिज कर दिया था, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जर्मनी को भारी नुकसान हुआ। युद्धों में अव्यावसायिक हस्तक्षेप के कारण संघर्ष हारने के और भी कई उदाहरण हैं, जैसे वाटरलू, हेमू और अकबर के बीच युद्ध, 1913 का दूसरा बाल्कन युद्ध (बुल्गारिया) और वियतनाम युद्ध। इतिहास ने हमें जो सिखाया है, उसे देखते हुए, राजनीतिक वर्ग को यह निर्देश नहीं देना चाहिए कि युद्ध के मोर्चे पर निर्णय कैसे लिए जाएं। उन्हें केवल सैन्य कर्मियों से सैनिकों की तैयारी के संबंध में परामर्श करने के बाद यह तय करना चाहिए कि युद्ध में जाना है या नहीं, न कि बिना तैयारी के संघर्ष के लिए मजबूर करना चाहिए। हमने 1962 में ऐसी तैयारी की कमी के परिणाम देखे थे। जब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय सेना को चीनी सेना को भारतीय क्षेत्र से खदेडने का आदेश दिया, तो उन्होंने इसे जल्दबाजी में किया। सेना को बिना उचित उपकरण, पर्याप्त कपड़ों या पर्याप्त राशन के मोर्चे पर भेज दिया गया। हालांकि हमारे सैनिक अत्यधिक वीरता के साथ लड़े लेकिन जान–माल और क्षेत्र का नुकसान महत्वपूर्ण था क्योंकि हम चीनी सेना की तुलना में तैयार नहीं थे। हालांकि, 1967, 1987 और उसके बाद (यहां तक कि गलवान में भी) हमने मुंहतोड़ जवाब दिया क्योंकि हम उनका सामना करने के लिए तैयार थे। भारत ने अब चीनी खतरे को बहुत गंभीरता से लिया है और सुरंगों, कनैकिंग टनल, पुलों, सड़कों और हवाई पट्टियों का निर्माण करके चीन के साथ हमारी पूर्वी सीमा पर मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया है। पूरी चीनी सीमा को शेष भारत से जोड़कर, सैनिकों, सामानों और सामग्रियों की आवाजाही में काफी सुधार हुआ है। ऑप्रेशन सिंदूर (संभवतः ऑप्रेशन सिंधु का संदर्भ) की सफलता और दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों और हवाई अड्डों को इससे हुई तबाही सेना की तीनों शाखाओं–थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सैन्य अधिकारियों की बहादुरी और सटीक योजना के कारण संभव हो सकी।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

शीतल हिय को जो करे, होते मीठे बोल।
पीड़ा तन - मन की हरे, बोल बड़े अनमोल।।
बोल बड़े अनमोल, सोच कर बोलो हरदम।
तीखी वाणी देख, आँख कर देती है नम।।
कहती रचना आज, चमकता कब है पीतल।
मीठे बोलो बोल, करे जो तन - मन शीतल।।

वाणी से ही जीतते, दिखे लोग संसार।
मीठे कड़वे बोल दो, इनसे ही व्यवहार।
इनसे ही व्यवहार, सभी से मीठा बोलो।
दुनिया में इंसान, शब्द से पहले तोलो।।
कहती रचना आज, विवेकी होता प्राणी।
बोल बड़े अनमोल, सोच कर बोलो वाणी।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

विश्वनाथ सचदेव

अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना जरूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे।

उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का जहर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है।

जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे गलत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आजादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं।

जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ–निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच–विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी।

कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद–भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार–जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी। ऐसे में जब कोई शुभेंदु अधिकारी चुनावी सभा में श्रोताओं को इस आशय की धमकी देता है कि 'सड़क तब मिलेगी जब तुम धर्म बदलोगे', तो हैरानी भी होती है और गुस्सा भी आता है। ऐसा ही गुस्सा कोटद्वार के दीपक को आया होगा जब उसने यह देखा कि 75 साल के एक मुसलमान व्यापारी को इसलिए परेशान किया जा रहा है कि उसकी दुकान के नाम में 'बाबा' जुड़ा हुआ है। तीस साल से चल रही है यह दुकान। तीस साल तक किसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं हुई। तो, आज यह विवाद किसलिए? यह सवाल सिर्फ 'मोहम्मद दीपक' नाम वाले युवक का नहीं है। देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है। जिस साहस और समझदारी के साथ 'मोहम्मद दीपक कुमार' ने धर्म के नाम पर विद्वेष फैलाने वालों का सामना किया है, आज देश के हर युवा में उस साहस और समझदारी की आवश्यकता है।

सुशांत की मौत के 6 साल बाद रिया ने प्यार के लिए खोले दिल के दरवाजे, कहा, मुझे प्यार पर भरोसा है

> मैंने उन्हें बताया कि मैंने एक्टिंग छोड़ दी है, तो उन्होंने कहा कि इस वजह से मुझे ये करना चाहिए, फर्क नहीं पड़ता कि मैं अच्छा करूं या नहीं। अब मुझे खुशी है कि मैंने हां कहा, सेट पर आना अलग अनुभव था

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनकी कथित गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बुरी तरह विवादों में घिर गई थीं। लंबी कानूनी उलझनों के बाद अब रिया वापिस अपनी पटरी पर लौट आई हैं और जल्द ही वो एक्टिंग में कमबैक करने जा रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक्टिंग में अपनी वापसी और प्यार को लेकर खुलकर बात की। हाल ही में एक इंटरव्यू में रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के छह साल बाद नए सिरे से अपनी जिंदगी और करियर को शुरू करने पर राय रखी। उन्होंने कहा कि लगभग सात साल से उन्हें काम नहीं मिला है। उन्हें लगने लगा था कि अब एक्टिंग के सपने को छोड़ देना चाहिए। हालांकि, ये उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। रिया ने कहा कि वो तो हमेशा से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखा करती थीं, लेकिन उस सपने को अपनी आंखों के सामने टूटते देखना बिल्कुल भी आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक्टिंग को भूलने के लिए थेरेपी का सहारा तक लेना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि जब हंसल मेहता ने अपने अपकमिंग सीरीज का ऑफर दिया तो पहले उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था। रिया ने कहा, हंसल सर और राइटर ने मुझसे पूछा कि मुझे क्या रोक रहा है। मैंने उन्हें बताया कि मैंने एक्टिंग छोड़ दी है, तो उन्होंने कहा कि इस वजह से मुझे ये करना चाहिए, फर्क नहीं पड़ता कि मैं अच्छा करूं या नहीं। अब मुझे खुशी है कि मैंने हां कहा, सेट पर आना अलग अनुभव था, पिछले 7 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। ये बिल्कुल साइकिल चलाने जैसा है, जिसे आप कभी नहीं भूलते। आगे रिया ने प्यार को लेकर बात करते हुए कहा कि प्यार के लिए उन्होंने अपने दिल का दरवाजा खुला रखा है। आज भी वो मानती हैं कि प्यार बहुत ही खूबसूरत चीज है और वो अपनी लाइफ में दोबारा प्यार को मौका देने के लिए राजी हैं, क्योंकि उन्हें प्यार में भरोसा है। बता दें, साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा–पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं। लंबे ब्रेक के बाद वह वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' के जरिए अपने अभिनय करियर की नई शुरुआत करने जा रही हैं।

रिलीज के 16वें दिन बॉर्डर 2 ने की जबरदस्त कमाई, की 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के सुपरस्टार सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी को पर्दे पर रिलीज हुई थी। देशभक्ति पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शक के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म अच्छी–खासी कमाई करती नजर आ रही है। वहीं, रिलीज के 16 दिनों में बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में 300 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 224. 25 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भारतीय बाजार में 70.15 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म ने 15वें दिन 2.85 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने 16वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है । इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 301. 50 करोड़ रुपए हो गया है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे नजर आए हैं। फिल्म को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी–सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

सिल्वर एक्सेसरीज और बॉडीकॉन ड्रेस में दीपिका का ग्लैमरस अवतार, कैमरे के सामने दिए मदमस्त पोज

बॉलीवुड की स्टाइल आइकन और ग्लैमरस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। दीपिका अक्सर अपनी खूबसूरत और एलिगेंट तस्वीरों से फैंस का दिल जीत लेती हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस आउटफिट में उनका लुक बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रहा है। ब्लैक ड्रेस उनके फिगर को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही है, जिससे उनका कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ झलक रहा है। अपने इस लुक को और खास बनाने के लिए दीपिका ने सिल्वर एक्सेसरीज कैरी की हैं। ये एक्सेसरीज उनके आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच कर रही हैं और पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं। एक्सेसरीज के साथ उनका स्टाइल और भी अट्रैक्टिव लग रहा है। वहीं, अपने मेकअप को दीपिका ने मिनिमल रखा है, जिससे उनका नैचुरल ब्यूटी चार्म उभरकर सामने आ रहा है। स्लीक बन हेयरस्टाइल ने उनके पूरे लुक को क्लासी और एलिगेंट बना दिया है। सादगी और स्टाइल का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में दीपिका ने अलग–अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। हर फोटो में उनका कॉन्फिडेंस और स्टार पावर अलग ही दिखाई दे रही है। उनके हर एक्सप्रेशन और पोज पर फैंस फिदा हो गए हैं। जैसे ही दीपिका पादुकोण का यह पोस्ट सामने आया, सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यूजर्स लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे।

खुल गया राज, इसलिए रिटायरमेंट के बाद अरिजीत से मिलने उनके घर गए थे आमिर, इस बात के लिए गायक का जताया आभार

अरिजीत सिंह के पिछले महीने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट के बाद हर कोई उनके इस फैसले पर अपनी–अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। इस बीच बीते दिनों अभिनेता आमिर खान की अरिजीत के घर से कई तस्वीरें सामने आई थीं, जो काफी चर्चाओं में भी रही थीं। अब इन तस्वीरों के पीछे की वजह सामने आ गई है। ये पता चल गया है कि आमिर क्यों अरिजीत सिंह के घर गए थे? साथ ही आमिर ने अब अरिजीत का शुक्रिया भी अदा किया है।

आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की ओर से इंस्टाग्राम पर अरिजीत सिंह के साथ आमिर खान की एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में अरिजीत गिटार लिए बैठे हैं और आमिर खान से गहन चर्चा कर रहे हैं। आमिर उन्हें फोन पर कुछ दिखा रहे हैं। इस तस्वीर पर आमिर खान का अरिजीत के लिए एक मैसेज भी है, जिसमें उन्होंने सिंगर का शुक्रिया अदा किया है। आमिर की ओर से लिखा गया, 'हमारी फिल्म श्एक दिनश में अपनी आवाज देने के लिए अरिजीत आपका धन्यवाद। आपके, आपके परिवार और आपकी टीम के साथ बिताए चार दिन जादुई थे। ढेर सारा प्यार।' आमिर के इस संदेश से साफ है कि उनके बेटे जुनैद खान की आगामी फिल्म 'एक दिन' में अरिजीत सिंह की आवाज सुनाई देगी। साथ ही ये भी स्पष्ट हो गया कि आमिर क्यों अरिजीत के घर पहुंचे थे। 'एक दिन' फिल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद खान और साउथ स्टार साई पल्लवी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में जारी हुए फिल्म के टीजर में यह जोड़ी डेट पर जाती, पहाड़ी इलाकों में घूमती, बर्फीले मौसम में एक–दूसरे को गले लगाती नजर आती है। कुछ सीन में उनके चेहरे पर तनाव के भाव भी दिखाई देते हैं। फिल्म में साई पल्लवी मीरा का किरदार निभा रही हैं, जबकि जुनैद के किरदार का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। 'एक दिन' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अरिजीत ने पिछले महीने की 27 तारीख को प्लेबैक सिंगिंग से अपने रिटायरमेंट की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा था, 'नमस्कार। आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं। श्रोताओं के रूप में इन सभी वर्षों में मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब प्लेबैक सिंगर के रूप में कोई नया प्रोजेक्ट नहीं लूंगा। मैं इस क्षेत्र को अलविदा कह रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।' हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया था कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे।

बदल गई अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज डेट, अब इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस भी उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अक्षय कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटा सा टीजर शेयर किया है जिसमें एक काली बिल्ली दिखाई दे रही है। टेबल पर एक कैलेंडर रखा हुआ है, जो मई के पन्ने पर खुला है। बिल्ली 15 मई को खरोंचती है, कैलेंडर जमीन पर गिर जाता है और अप्रैल के पन्ने पर दूध फैल जाता है। बिल्ली 10 तारीख को चाटती है, जो फिल्म की नई रिलीज डेट का इशारा है। बता दें, भूत बंगला की रिलीज बदल गई है। पहले यह फिल्म 15 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए कम इंतजार करना पड़ेगा। अब यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने जा रही है। बता दें, फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन फिर से एक साथ आए हैं। भूत बंगला से पहले अक्षय और प्रियदर्शन हेराफेरी, गरम मसाला, भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म में दिवंगत एक्टर असरानी भी नजर आएंगे।

फेफड़ों को रखना है हेल्दी तो रोज करें ये 5 योगासन, सुधर जाएगी फेफड़ों की कार्यक्षमता

पॉल्यूशन के लगातार बढ़ते लेवल को देखते हुए यही सलाह दी जा रही है कि जितना हो सके घर के अंदर रहें और अगर बाहर निकल रहे हैं, तो मास्क जरूर पहनें। घर में एयर प्यूरिफायर लगाएं, इंडोर प्लांट्स लगाएं और डाइट पर भी ध्यान दें। लेकिन इसके अलावा एक और बहुत जरूरी चीज है जो

प्रदूषण भरे माहौल में आपको हेल्दी रखने में मदद कर सकता है और वो है योग। जी हां, फेफड़ों को स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है योग करना। योग न सिर्फ बॉडी को फिट रखता है बल्कि यह फेफड़ों को मजबूत बनाकर उनकी कार्यक्षमता में सुधार करता है। जिससे आप कई गंभीर बीमारियों से बचे रह सकते हैं। तो कौन से योग हैं इसमें फायदेमंद, जान लें यहां।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन श्वसन तंत्र को मजबूत बनाता है। इस आसन को करने से फेफड़ों के कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। जो इस पॉल्यूशन भरे माहौल में आपको हेल्दी रखने के लिए बहुत ही जरूरी है। इस आसन

को करना भी बहुत ही आसन है। फेफड़ों के अलावा ये आसन गर्दन, पीठ और कमर के लिए भी फायदेमंद है।

भुजंगासन

भुजंगासन करने से शरीर के ऊपरी हिस्से में खिंचाव होता है। यह खिंचाव शरीर में ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन ग्रहण करने में मदद करता हैं जिससे लंग्स हेल्दी रहते हैं।

अर्ध मत्स्येंद्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन योग इम्युनिटी बढ़ाने में बेहद मददगार आसन है। इस आसन को करने के दौरान लंबी गहरी सांस लेनी होती है जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके अलावा यह आसन डायबिटीज के मरीजों के लिए तो सबसे ज्यादा फायदेमंद है। इससे जांघों की भी अच्छी एक्सरसाइज होती है।

धनुरासन

अगर आप सही तरीके से इस आसन का अभ्यास करें तो कई सारे लाभ पा सकते हैं क्योंकि धनुरासन करते वक्त एक तरह से भुजंगासन और शलभासन दोनों का अभ्यास होता है। धनुरासन में भी सीने में अच्छा– खासा खिंचाव आता है और फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाता है जो सांस की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है ।

गोमुखासन

गोमुखासन, से भी फेफड़ों को हेल्दी रखा जा सकता है। इस आसन को करने के दौरान आप सीने में खिंचाव महसूस करेंगे जिससे शरीर में ऑक्सीजन की अच्छी तरह से सप्लाई होती है। इसके अलावा यह आसन पीठ दर्द, थकावट, तनाव और चिंता को भी कम करता है।

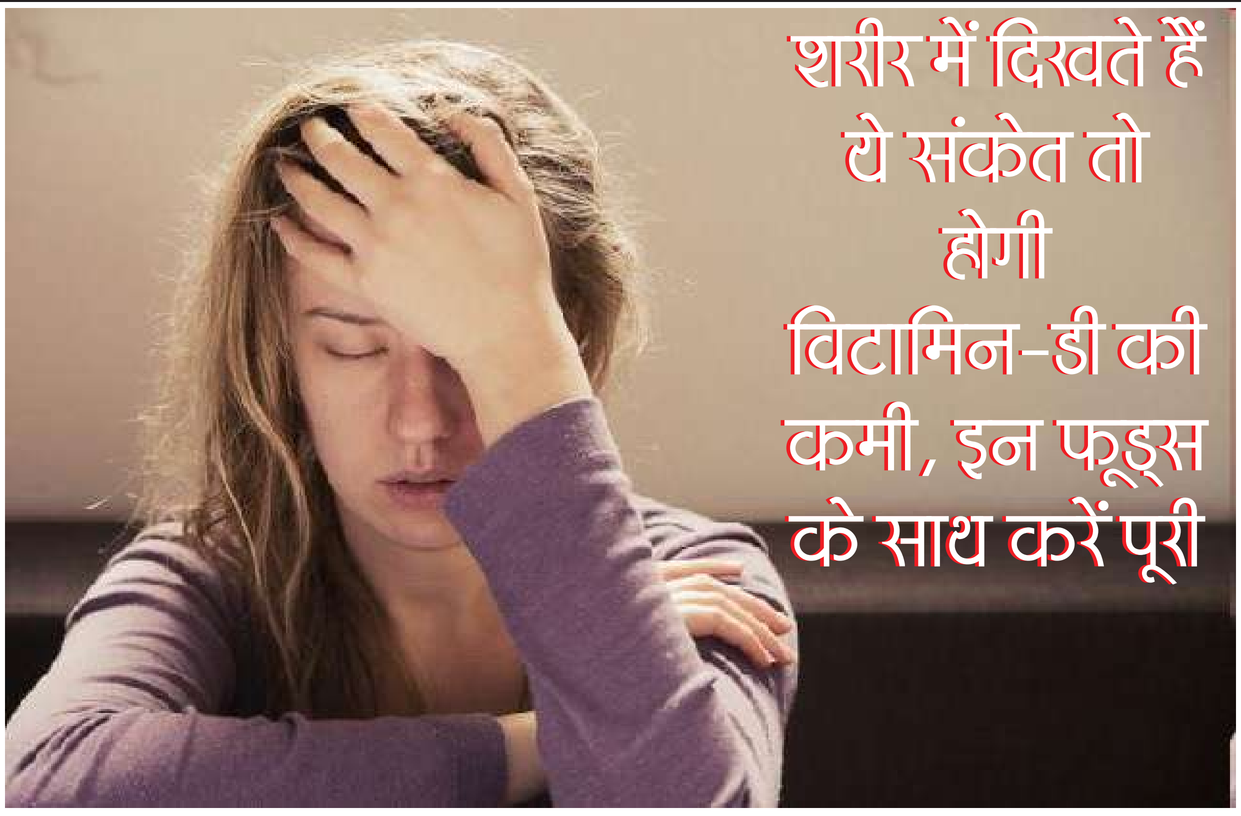

शरीर में दिखते हैं ये संकेत तो होगी विटामिन-डी की कमी, इन फूड्स के साथ करें पूरी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन–डी बहुत ही आवश्यक है। यह इम्यूनिटी बढ़ाने और शरीर को बीमारियों से दूर रखने में मदद करता है। इसके अलावा विटामिन–डी मांसपेशियों और दांत को मजबूत करने के लिए भी जरुरी माना जाता है। आकंड़ों के अनुसार, भारत में करीबन 70 से 90 प्रतिशत लोग विटामिन–डी की कमी का शिकार हैं। लक्षण न पता होने के कारण भी सभी इस बीमारी का शिकार हो सकता है। इस विटामिन– की कमी होने पर शरीर में कुछ इस तरह के लक्षण दिख सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इसके लक्षण, कारण और आप किन फूड्स की कमी के जरिए इस विटामिन की कमी पूरी कर सकते हैं...

विटामिन–डी की कमी होती क्यों है?

शरीर में इस विटामिन– की कमी का कारण है कि आपके शरीर में इस खास विटामिन की मात्रा बहुत ही कम है। मानव शरीर सूर्य की रोशनी के संपर्क में आकर विटामि–डी बनाता है परंतु आजकल के व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण पर्याप्त मात्रा में धूप न लेने के कारण शरीर में इस विटामिन की कमी हो सकती है।

लक्षण

हर समय थकान रहना

शरीर में विटामिन–डी की कमी होने पर हर समय थकान महसूस होती है। यदि 7–8 घंटे की नींद पूरी होने के बाद भी शरीर में थकान महसूस हो रही है तो यह विटामिन–डी की कमी का लक्षण हो सकता है।

हड्डियां कमजोर पड़ना

इसके अलावा इस विटामिन की कमी होने पर हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। थोड़ी सी चोट पर हड्डियों के टूटने का खतरा रहता है। जांघों, पेल्विस और हिप्स में भी हर समय दर्द रहता है।

बार–बार बीमार पड़ना

यदि आप बार–बार बीमार पड़ रहे हैं या आपको सर्दी–खांसी हो रही है तो भी शरीर में विटामिन–डी की कमी हो सकती है। इस विटामिन की कमी के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है जिसके कारण आप बीमार पड़ सकते हैं।

डिप्रेशन

यदि आपको हर समय तनाव, निराशा और एंग्जायटी महसूस होती है तो भी यह विटामिन–डी का ही लक्षण है। डिप्रेशन फील होना, बात–बात पर मूड खराब होना, खून में कमी भी विटामिन–डी की कमी का ही लक्षण है।

बाल झड़ना

शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी विटामिन–डी की कमी हो सकती है। बाल झड़ने के कारण शरीर में विटामिन–डी की कमी होने लगती है। विटामिन–डी न्यूट्रिएंट वो है जो हेयर फॉलिक्लस को बढ़ाता है इसकी कमी होने पर बाल गिरने लगते हैं।

त्वचा पर होता है असर

इस विटामिन की कमी के कारण त्वचा पर भी असर पड़ने लगता है। स्किन ड्राई और लाल होने लगती है इसके अलावा कई बार बहुत ही खुजली और मुंहासें भी होने लगते हैं। विटामिन–डी की कमी होने पर एजिंग की समस्या भी शुरु हो जाती है।

कौन से फूड्स करेंगे कमी पूरी?

दही

दही में कैल्शियम और विटामिन–डी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करके शरीर को अंदर से ठंडक मिलती है और शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसको अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर आप विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

दूध

दूध में भी काफी अच्छी मात्रा में कैल्शियम और विटामिन–डी पाया जाता है। यह एक संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे प्रोटीन, वसा और गुड कार्ब्स। ऐसे में यदि आपके शरीर में विटामिन–डी की कमी है तो आप इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मशरुम

मशरुम में विटामिन–डी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करके भी आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं। सूप, स्टिर–फ्राई, स्टॉज या फिर सलाद के रुप में आप इसका सेवन कर सकते हैं। मशरुम खाने में भी काफी स्वाद होता है।

ऑरेंज जूस

संतेर में भी काफी अच्छी मात्रा में विटामिन–डी पाया जाता है। एक गिलास संतरे का जूस पीकर आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम मजबूत करने में भी मदद करता है।

पनीर

पनीर एक बहुत ही अच्छा विटामिन–डी का स्त्रोत माना जाता है। यह त्वचा और मस्तिष्क के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

दांतों की सड़न से मिलेगा छुटकारा, अपनाएं 5 बेहद असरदार नुस्खे!

खान–पान की गलत आदतें और सही तरीके से ब्रश न करना दांतों की सेहत को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचाता है। इसकी वजह से दांतों में कैविटी, सड़न और दर्द की समस्या शुरू हो जाती है, जिससे छुटकारा पाना आसान नहीं होता। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय शुरुआती स्टेज में राहत देने में मदद कर सकते हैं। लेकिन अगर परेशानी ज्यादा हो, तो डेंटिस्ट से इलाज कराना बेहद जरूरी है।

बदलती लाइफस्टाइल बन रही है दांतों की दुश्मन

आज की मॉडर्न लाइफस्टाइल में जंक फूड, मीठी चीजें, चाय–कॉफी का ज्यादा सेवन और फल–सब्जियों की कमी आम हो गई है। इसका सीधा असर दांतों पर पड़ता है। दांतों में कैविटी बनना अब एक आम समस्या बन चुकी है। शुरुआत में लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय के साथ सड़न बढ़ती जाती है और दांत कमजोर होकर गिरने तक की नौबत आ सकती है। कई रिसर्च में सामने आया है कि घर में मौजूद कुछ चीजें दांतों की सड़न और कैविटी से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही 5 असरदार घरेलू नुस्खे।

कैविटी से राहत पाने के 5 घरेलू उपाय

नमक वाले गुनगुने पानी से कुल्ला

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार नमक में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। दिन में 2दृ3 बार गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया कम होते हैं। इससे सूजन और दर्द में राहत मिलती है और कैविटी बढ़ने से रुक सकती है।

लौंग का इस्तेमाल

लौंग में मौजूद यूजेनॉल तत्व नेचुरल पेनकिलर और एंटीसेप्टिक की तरह काम करता है। दांत दर्द या कैविटी वाली जगह पर एक लौंग दबाकर रखने या लौंग के तेल की एक बूंद रुई में लगाकर लगाने से दर्द में राहत मिल सकती है, खासकर रात के समय।

ऑयल पुलिंग

सेहत से जुड़ी प्रमाणिक वेबसाइट भ्मंसजीसपदम के अनुसार ऑयल पुलिंग दांतों की सड़न और कैविटी से बचाव में मदद करती है। सुबह खाली पेट एक चम्मच नारियल तेल या तिल का तेल मुंह में लेकर 10:15 मिनट तक धीरे–धीरे घुमाएं और फिर थूक दें। इससे मुंह की गंदगी, प्लाक और बैक्टीरिया कम होते हैं।

हल्दी और सरसों का तेल

हल्दी अपने एंटीबैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जानी जाती है। एक चुटकी हल्दी में कुछ बूंदें सरसों के तेल की मिलाकर दांतों और मसूड़ों पर हल्के हाथ से लगाने से संक्रमण कम होता है और मसूड़े मजबूत बनते हैं।

लहसुन का प्रयोग

लहसुन में मौजूद एलिसिन बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है। लहसुन की एक कली पीसकर उसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं और प्रभावित दांत पर लगाएं। शुरुआत में हल्की जलन हो सकती है, लेकिन इससे दर्द और संक्रमण में कमी आ सकती है।

स्किन पर लाल चकत्ते दिखें तो भूलकर भी न खाएं ये चीजें, बढ़ सकती हैं मुसीबतें

त्वचा पर लाल चकत्ते, खुजली, सूखापन और पपड़ीदार परतें बनना सोरायसिस के आम लक्षण हैं। शुरुआत में यह समस्या सामान्य ड्राई स्किन जैसी लग सकती है, लेकिन समय के साथ यह ज्यादा तकलीफदेह हो जाती है। कई बार दवाइयों के साथ–साथ गलत खानपान भी इस बीमारी को तेजी से बढ़ा देता है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि सोरायसिस में किन चीजों से दूरी बनानी चाहिए।

सोरायसिस क्या है?

डॉक्टर के अनुसार, सोरायसिस एक पुरानी त्वचा संबंधी समस्या है, जिसमें त्वचा पर लाल चकत्ते, तेज खुजली, सूखापन और सफेद पपड़ीदार परतें बनने लगती हैं। यह रोग पूरी तरह ठीक तो नहीं होता, लेकिन सही इलाज, आहार और दिनचर्या से इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सोरायसिस में इन चीजों से करें परहेज

तली–भुनी और फास्ट फूड

समोसा, कचौड़ी, पकौड़ी, चिप्स, बर्गर, पिज्जा और बेकरी आइटम शरीर में टॉक्सिन्स बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा की सूजन और खुजली और ज्यादा बढ़ सकती है।

ज्यादा मिर्च–मसाले वाला खाना

लाल मिर्च, गरम मसाला और अत्यधिक नमक सोरायसिस के लक्षणों को ट्रिगर कर सकते हैं। इससे त्वचा में जलन और खुजली बढ़ने लगती है।

मैदा से बनी चीजें

नूडल्स, सफेद ब्रेड, पिज्जा और मैदे से बने अन्य खाद्य पदार्थ पाचन को बिगाड़ते हैं, जिसका सीधा असर त्वचा पर पड़ता है।

रेड मीट और ज्यादा डेयरी प्रोडक्ट

लाल मांस, ज्यादा अंडा, फुल क्रीम दूध, चीज और बटर का अधिक सेवन सोरायसिस के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

शराब और धूम्रपान

डॉक्टर के अनुसार शराब और सिगरेट सोरायसिस में सबसे ज्यादा हानिकारक माने जाते हैं। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करते हैं और दवाओं के असर को भी कम कर देते हैं।

फलों से भी बढ़ सकती है परेशानी

कुछ मरीजों में खट्टे फल और अत्यधिक मीठी चीजें भी सोरायसिस को बढ़ा सकती हैं। ज्यादा चीनी, मिठाइयां और कोल्ड ड्रिंक्स लेने से शरीर में सूजन बढ़ती है, जिससे त्वचा की समस्या और गंभीर हो सकती है।

क्या खाना है फायदेमंद?

सोरायसिस में केवल दवाइयां ही नहीं, बल्कि सही आहार और दिनचर्या भी उतनी ही जरूरी है।

मरीजों को चाहिए कि वे हल्का, सुपाच्य और सात्विक भोजन करें।

हरी सब्जियां और मौसमी फल खाएं

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

नियमित दिनचर्या अपनाएं और तनाव से बचें।

सोरायसिस को कंट्रोल में रखने के लिए गलत भोजन से परहेज करना सबसे पहली और जरूरी शर्त है। अगर मरीज खानपान में संयम रखें और चिकित्सक की सलाह के अनुसार जीवनशैली अपनाएं।

संक्षिप्त

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 485 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 84,065.75 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक या 0.68 प्रतिशत चढ़कर 25,867.30 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 90.74 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

भारत बनेगा जी–20 में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था, एफवाई 27 में 6.4प्रतिशत विकास दर का अनुमान

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक उत्साहजनक रिपोर्ट जारी की है। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.4प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज के मुताबिक, इस रफ्तार के साथ भारत जी–20 देशों के समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मुख्य कारण मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि भारत की इस मजबूत आर्थिक वृद्धि के पीछे मुख्य कारण घरेलू खपत और सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत कदम हैं। एजेंसी ने विशेष रूप से सितंबर 2025 में हुए वस्तु एवं सेवा कर के युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा में की गई बढ़ोतरी का जिक्र किया है। मूडीज का मानना है कि इन सुधारों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी है, जो खपत–आधारित विकास को सहारा देगी। हालांकि, मूडीज का 6.4प्रतिशत का अनुमान भारत सरकार के अपने अनुमानों से थोड़ा रूढ़िवादी है। पिछले महीने संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में वित्त मंत्रालय ने एफवाई 27 के लिए 6.8: से 7.2: की विकास दर का अनुमान लगाया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2025–26) में भारत की विकास दर 7.4प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो कि 2024–25 में दर्ज की गई 6.5प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है। बैंकिंग सेक्टर– मजबूती के बीच डैडम् पर चिंता मूडीज ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली पर भी अपनी राय रखी है। रिपोर्ट के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं– लोन ग्रोथ में तेजीरू वित्त वर्ष 2026–27 में सिस्टम–वाइड लोन ग्रोथ बढ़कर 11–13प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो मौजूदा वित्त वर्ष में 10.6प्रतिशत है। मजबूत बैलेंस शीट– बड़े कॉरपोरेट्स की बैलेंस शीट मजबूत है और उनकी प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार हुआ है, जिससे कॉरपोरेट लोन की गुणवत्ता स्वस्थ बनी रहेगी। MSME पर दबावरू हालांकि एसेट क्वालिटी लचीली बनी रहेगी, लेकिन मूडीज ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच कुछ तनाव की आशंका जताई है। राहत की बात यह है कि बैंकों के पास लोन लॉस को सोखने के लिए पर्याप्त रिजर्व मौजूद हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति पर टिप्पणी करते हुए मूडीज ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने 2025 में अब तक पॉलिसी रेट में कुल 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है, जिससे दरें 5.25प्रतिशत पर आ गई हैं। महंगाई नियंत्रण में होने और ग्रोथ की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज का मानना है कि त्ठप् वित्त वर्ष 2026–27 में मौद्रिक नीति में और ढील तभी देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती के संकेत मिलेंगे। मूडीज की यह रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत है। बैंकों का परिचालन वातावरण 2026 में भी मजबूत रहने की उम्मीद है, जिसे व्यापक आर्थिक स्थितियों और संरचनात्मक सुधारों का समर्थन मिलेगा। एजेंसी ने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर सरकार बैंकों को मजबूत समर्थन देना जारी रखेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 फरवरी तक टाली सुनवाई, 213 करोड़ के जुर्माने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप की उन याचिकाओं पर सुनवाई 23 फरवरी तक के लिए टाल दी है, जिनमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी। यह मामला व्हाट्सएप की विवादित प्राइवेसी पॉलिसी और कंपनी पर लगाए गए 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने से जुड़ा है। यह सुनवाई भारत में डिजिटल नागरिकों के डेटा अधिकारों और बिग टेक कंपनियों के एकाधिकार को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत की अगुवाई वाली पीठ ने स्पष्ट किया है कि वह 23 फरवरी को इस मामले में अंतरिम आदेश पारित करेगी। सोमवार को सुनवाई के दौरान पीठ को सूचित किया गया कि मेटा और व्हाट्सएप का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल अस्वस्थ हैं। इसके चलते अदालत ने सुनवाई स्थगित करने का निर्णय लिया। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया भी शामिल हैं। अदालत ने इस मामले में पहले ही कड़ा रुख अपना रखा है। 3 फरवरी को हुई पिछली सुनवाई में पीठ ने मेटा और व्हाट्सएप के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि वे डेटा शेयरिंग के नाम पर नागरिकों के निजता के अधिकार के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। अदालत ने चिंता जताई थी कि ये कंपनियां बाजार में एकाधिकार बना रही हैं और ग्राहकों की निजी जानकारी की चोरी कर रही हैं। बेंच ने मौन ग्राहकों का जिक्र किया जो डिजिटल रूप से निर्भर हैं।

टी20 में टेस्ट जैसा स्ट्राइक रेट फिर भी टीम में, बेंच पर बैठे हैं विस्फोटक फखर जमां

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम और टीम मैनेजमेंट की एक बड़ी समस्या यह है कि वह अहम मौकों पर अपने स्टार खिलाड़ियों को ही बाहर बैठा देता है। जिस टी20 फॉर्मेट में ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत होती है, जो तेजी से रन बटोर सकें, वहीं पाकिस्तान उन बल्लेबाजों को मौका दे रहा है, जो टी20 में टेस्ट जैसे स्ट्राइक रेट से खेलता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं बाबर आजम की। बाबर भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट हमेशा सवालों के घेरे में रहा है। वह पाकिस्तान के लिए मैच विनर नहीं, बल्कि सिरदर्द साबित हो रहे हैं। उनकी वजह से पाकिस्तान की टीम फखर जमां जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को नहीं खिला पा रही है। पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को हरा तो दिया, मगर यह जीत जितनी आसान दिखनी चाहिए थी, उतनी रही नहीं। कागज पर समीकरण साफ था, 53 गेंद में 50 रन, हाथ में सात विकेट। टी20 में इसे लगभग औपचारिकता माना जाता है, लेकिन नंबर चार पर उतरे बाबर आजम 18 गेंद में सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गए। रन गति थमी, दबाव बढ़ा और मैच आखिरी ओवरों तक खिंच गया। आखिर में फहीम अशरफ की तेज बल्लेबाजी ने पाकिस्तान को बचा लिया, वरना कहानी कुछ और भी हो सकती थी। यहीं से असली बहस शुरू होती है कि क्या बाबर आजम मौजूदा टी20 प्लान में सही जगह पर हैं?

टी20 क्रिकेट अब इरादों का खेल है। खासकर नंबर चार पर बल्लेबाज से उम्मीद होती है कि वह आते ही मैच की रफ्तार बढ़ाए। बाबर को शकिंग बाबरश कहा जाता है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी शजिम–बाबरश जैसी है। जिम बाबर इसलिए क्योंकि उनके देश के फैंस ही मानते हैं कि बाबर सिर्फ जिम्बाब्वे के खिलाफ ही रन बनाते हैं। हर देश के पास नंबर चार पर विस्फोटक बल्लेबाज हैं, जो मैदान पर आते ही पहली ही गेंद से चौथी गियर पर बल्लेबाजी करे, लेकिन पाकिस्तान उस बल्लेबाज को खिलाता है, जिसे स्ट्राइक रोटेट करने और गेंद को समझने में वक्त चाहिए।

बाबर के करियर आंकड़ों पर नजर डालें तो चौथे पोजिशन पर उनका औसत सबसे कम और स्ट्राइक रेट भी नीचे की तरफ है। यानी भूमिका की मांग और खिलाड़ी की प्राकृतिक शैली में मेल नहीं दिखता। बाबर एंकर की भूमिका में बेहतरीन रहे हैं, चाहे वह पारी संभालना, लंबा खेलना, गैप ढूंढना, लेकिन नंबर चार पर अक्सर 10–12 गेंद में मैच बदलने की जरूरत होती है। बाबर वनडे और टेस्ट में भले ही इस नंबर या नंबर तीन पर फिट बैठते हों, लेकिन टी20 टीम में उनकी कोई जगह नहीं बनती। साथ में बाबर का खराब फॉर्म भी पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को नजर नहीं आ रहा है। तुरंत सवाल आता है कि तो क्या उन्हें फिर से टॉप ऑर्डर में भेजा जाए? मौजूदा हालात में यह भी आसान नहीं। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और अच्छी लय में हैं। ओपनिंग जोड़ी को छेड़ना टीम मैनेजमेंट नहीं चाहेगा। नंबर तीन पर सलमान आगा ने हाल के मैचों में जिस स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, उसने उस जगह को लगभग लॉक कर दिया है। ऐसे में बाबर के लिए पारंपरिक भूमिका वाली सीट खाली नहीं दिखती। ऐसे में सही यही होगा कि फखर जमां को टीम सेटअप में मौका मिले। क्योंकि वसीम अकरम और वकार यूनुस जैसे पाकिस्तान के दिग्गज खुद यही मानते हैं कि अगर लक्ष्य बड़ा हो जिसमें 200 रन चेज करना पड़े या फिर पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर सेट करना हो तो फखर जमां से बेहतरीन बल्लेबाज टीम में कोई नहीं है।

पाकिस्तान को कठोर फैसला लेना पड़ सकता है। बड़े नाम हमेशा बड़ी जगह की गारंटी नहीं होते, खासकर टी20 में। टीम बैलेंस ज्यादा अहम है। अगर किसी खिलाड़ी की शैली मौजूदा प्लान से मेल नहीं खा रही, तो बदलाव पर सोचना ही पड़ेगा। बेंच पर बैठे फखर जमां उसी तरह की विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, जिसकी नंबर चार पर जरूरत है। उनका स्ट्राइक रेट बताता है कि वह शुरुआत से ही गेंदबाज पर हमला कर सकते हैं। कम औसत के बावजूद उनका इम्पैक्ट ज्यादा है और टी20 में यही चीज चलती है। ख्वाजा नफे भी एक विकल्प हो सकते हैं, जिनके पास तेजी से रन बनाने की काबिलियत है।

नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच जीतकर पाकिस्तान ने दो अंक जरूर ले लिए, लेकिन बल्लेबाजी की कमजोरी खुलकर सामने आ गई। बड़ी टीमों के खिलाफ यही ढील भारी पड़ सकती है। समाधान मौजूद हैं, पर हिम्मत भी चाहिए। और यही असली परीक्षा है टीम मैनेजमेंट की। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी बाबर आजम की हालिया अस्थिर फॉर्म पर अपनी राय रखी है। दोनों दिग्गजों का मानना है कि दाएं हाथ के बल्लेबाज की पावर हिटिंग पहले जैसी नहीं रही है। पोंटिंग को सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि बाबर अब मिडिल ओवर्स में पहले जैसा असर नहीं छोड़ पा रहे। उन्होंने टीम में उनकी भूमिका पर भी सवाल उठाए। पोंटिंग ने द आईसीसी रिव्यू में कहा, अगर आप 18 गेंद में 15 रन बना रहे हैं तो आप सिर्फ खुद पर ही नहीं, दूसरे छोर पर मौजूद बल्लेबाज पर भी दबाव डाल रहे हैं।

सूर्यकुमार की कप्तानी पर क्या बोले कोच गंभीर, क्यों कहा- उन्होंने मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की संयमित नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारूप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा साझा किए गए एक छोटे वीडियो में गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस वीडियो में यह नहीं पता चल रहा है कि गंभीर ने यह बयान कब दिया है। गंभीर ने कहा, श्सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं। उन्होंने कहा, श्कोच के तौर पर कभी–कभी आपके दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं, लेकिन जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है। भारत ने सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी के बूते शनिवार को विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में अमेरिका को हराया। भारतीय कप्तान ने एक छोर से विकेटों के पतझड़ के बीच 49 गेंदों में नाबाद 84 रन के साथ पारी को संभाला था। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को अब दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ खेलेगी। गंभीर ने कहा, मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर उन्होंने हर कसौटी पर खरा उतरकर मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी है। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं। उन्होंने कहा, श्यह बहुत अच्छा है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही निर्णय लेते हैं।

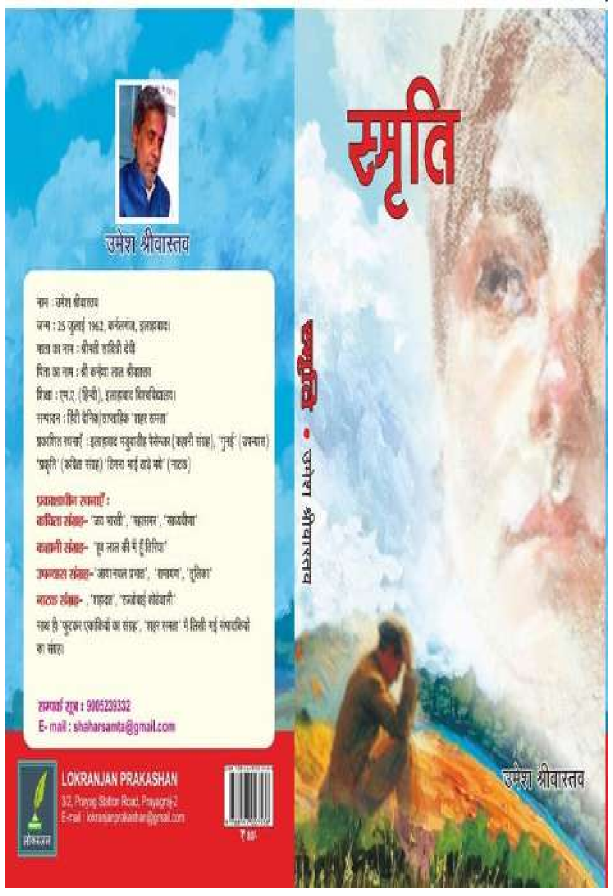

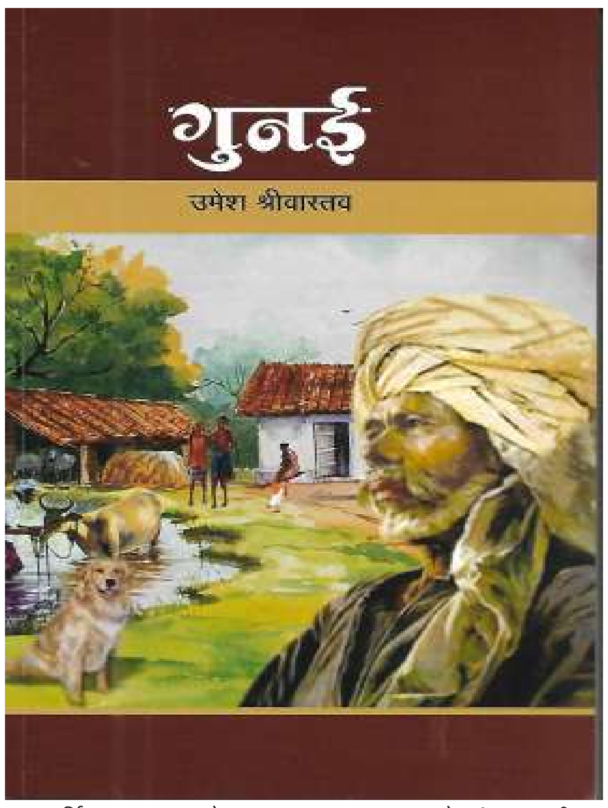

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

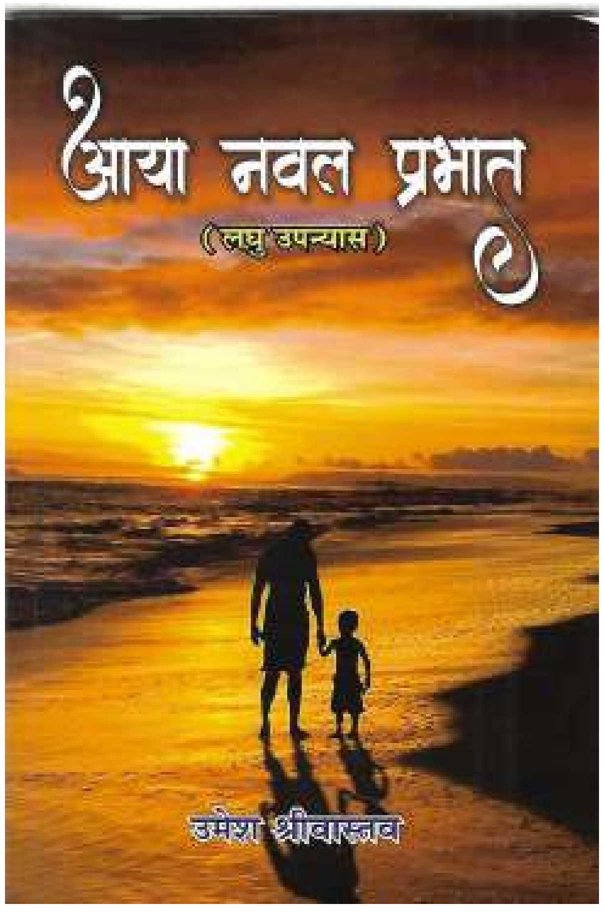

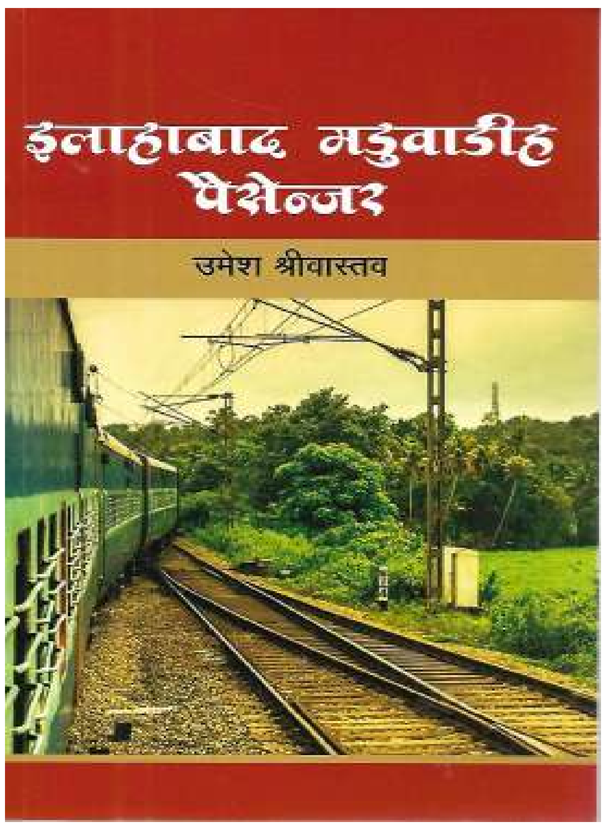

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

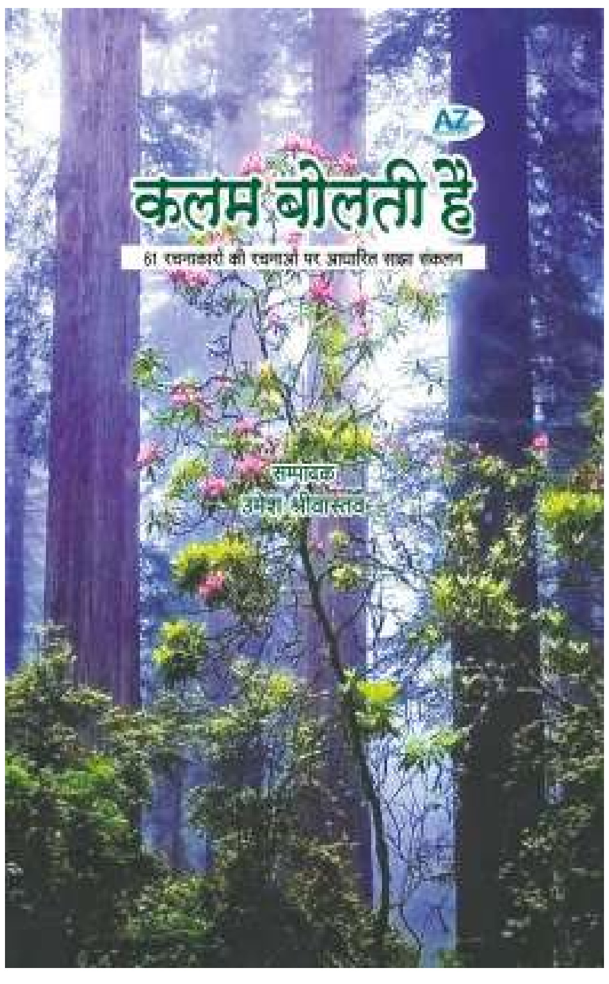

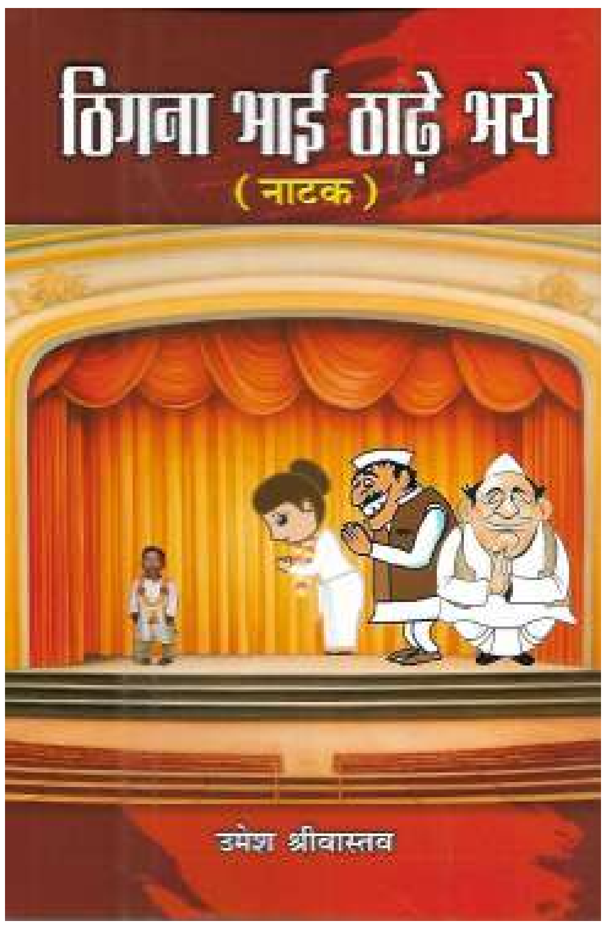

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दिमाग में तस्वीर नहीं बना पाते 14 प्रतिशत लोग, न्यूरोसाइंस को ऐसे मिलेगी नई राह

सिडनी, एजेंसी। किसी हरे–भरे पार्क, खुले मैदान या किसी अपने बेहद प्रिय व्यक्ति के चेहरे के बारे में सोचिए। क्या आप उसे अपने दिमाग में साफ–साफ देख पा रहे हैं? अधिकांश लोग ऐसी तस्वीरें मन में बना लेते हैं। वे अतीत को देख सकते हैं और भविष्य की छवियां गढ़ सकते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान है कि करीब 14% लोगों के लिए यह संभव नहीं है। ये लोग किसी वस्तु की अवधारणा समझ सकते

हैं, उससे जुड़े शब्द और विचार याद कर सकते हैं, लेकिन उनकी मस्तिष्क दृष्टि (माइंड्स आई) पूरी तरह अंधेरी या खाली रहती है। इस अवस्था को अफैंटेसिया कहा जाता है और यही अब न्यूरोसाइंस को चेतना की प्रकृति समझने का एक नया रास्ता दिखा रही है। पांच साल से अफैंटेसिया से ग्रस्त लोगों के दिमाग पर शोधकर्ता अध्ययन कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी में सिस्टम्स न्यूरोसाइंटिस्ट मैक शाइन को पहली बार एहसास हुआ कि उनका मानसिक अनुभव दूसरों से अलग है। वे और उनके सहकर्मी हैल्यूसिनेशन के न्यूरल आधार पर चर्चा कर रहे थे, तभी उन्होंने कहा, जब मैं आंखें बंद करता हूं, वहां बिल्कुल कुछ नहीं होता। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की कॉग्निटिव न्यूरोसाइंटिस्ट जूलिया काबाई खुद हाइपरफैंटेसिया से ग्रस्त हैं यानी उनकी मानसिक छवियां बेहद जीवंत होती हैं। 2015 में अफैंटेसिया के बारे में जानकर वे हैरान रह गईं। उनके मुताबिक, जिन लोगों में पूरी तरह मानसिक छवियों का अभाव है, उनसे समझ सकते हैं कि कल्पना हमारी भावनाओं, ध्यान, स्मृति और धारणा को कैसे प्रभावित करती है। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबरा के न्यूरोलॉजिस्ट एडम जेमन ने 2003 में अफैंटेसिया पर काम शुरू किया। उन्होंने एक ऐसे मरीज को देखा, जिसकी मामूली हार्ट प्रोसीजर के बाद माइंड्स आई खत्म हो गई थी, जबकि उसकी सामान्य दृष्टि बनी रही। ब्रेन स्कैन में पाया गया कि तस्वीरें देखने पर उसका विजुअल कॉर्टेक्स सामान्य रूप से सक्रिय था, लेकिन कल्पना करने पर नहीं। शोध से पता चला है कि अफैंटेसिया में काफी विविधता होती है। कई लोगों में सिर्फ दृश्य कल्पना नहीं होती, जबकि कुछ में अन्य इंद्रियों की कल्पना भी गायब रहती है। खास बात यह है कि कई पीडिघ्त सपनों में भी तस्वीरें नहीं देख पाते। इसमें आनुवंशिक तत्व भी दिखता है। यदि किसी भाई–बहन में मस्तिष्क दृष्टि कमजोर है, तो दूसरे में अफैंटेसिया होने की संभावना दस गुना बढ़ जाती है। यह भी पाया गया है कि यह स्थिति कला पेशों की तुलना में वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में काम करने वालों में अधिक दिखती है।

ईवी सुरक्षा पर चीन का बड़ा फैसला : हिडन डोर हैंडल पर लगाया प्रतिबंध, अब हाथ से खुलने वाले दरवाजे जरूरी

बीजिंग, एजेंसी। इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती बिक्री के साथ उनकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल तेज हो गए हैं। इसी बीच चीन ने बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए इलेक्ट्रिक कारों में हिडन डोर हैंडल डिजाइन पर रोक लगा दी है। अब चीन में वही कारें बिक सकेंगी जिनके दरवाजे आपात स्थिति में हाथ से खोले जा सकें। इस फैसले को ईवी सुरक्षा मानकों में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। नए नियमों के तहत चीन हिडन या पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से खुलने वाले डोर हैंडल वाली कारों की बिक्री की अनुमति नहीं देगा। सरकार का मानना है कि पावर फेल होने या सिस्टम खराब होने की स्थिति में ऐसे हैंडल काम नहीं करते और यात्री कार के अंदर फंस सकते हैं। यह डिजाइन कई आधुनिक इलेक्ट्रिक कारों में इस्तेमाल हो रहा था और इसे प्रीमियम फीचर के रूप में प्रचारित किया जाता था। हर कार में अंदर और बाहर दोनों तरफ मैकेनिकल रिलीज सिस्टम होना अनिवार्य होगा। केवल इलेक्ट्रॉनिक या हिडन सिस्टम से खुलने वाले दरवाजे मान्य नहीं होंगे। हर पैसेंजर दरवाजे के बाहर तय आकार का धंसा हुआ हिस्सा देना

जरूरी होगा इससे आपात स्थिति में हाथ से पकड़कर दरवाजा खोला जा सकेगा। कार के अंदर दरवाजा खोलने का तरीका स्पष्ट निशान और निर्देश के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। नियम सभी नए मॉडलों पर लागू होंगे। जिन मॉडलों को पहले मंजूरी मिल चुकी है, उन्हें डिजाइन बदलने के लिए दो साल की छूट दी गई है। हिडन डोर हैंडल न्यू एनर्जी व्हीकल यानी इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और फ्यूल सेल वाहनों में तेजी से लोकप्रिय हुए थे। लेकिन हाल के कुछ गंभीर हादसों के बाद इस डिजाइन पर सवाल उठे। कुछ मामलों में आशंका जताई गई कि बिजली फेल होने के बाद दरवाजे नहीं खुल पाए, जिससे यात्रियों को समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने डिजाइन की व्यावहारिकता और जोखिम पर समीक्षा शुरू की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

लेबनान में इस्राइली सेना की बड़ी कार्रवाई, हमास के सहयोगी संगठन के शीर्ष नेता को किया गिरफ्तार

बेरूत, एजेंसी । इस्राइली सेना ने सोमवार सुबह दक्षिणी लेबनान में एक विशेष ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने सुन्नी इस्लामी समूह श्अल–जमा अल–इस्लामियाश के स्थानीय अधिकारी और फिलिस्तीनी हमास समूह के एक सहयोगी को पकड़ लिया। इस्राइली सैनिक उसे सीमा के पास हेब्बारियेह गांव से पकड़कर पूछताछ के लिए इस्राइल ले गए। सेना ने बताया, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी की मदद से की है।

इस्लामी समूह श्अल–जमा अल–इस्लामियाश ने इस गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और लेबनानी सरकार से उसकी रिहाई की मांग करने का आग्रह किया। यह संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड की लेबनानी शाखा है। इसकी सशस्त्र इकाई श्फजर फोर्सेजश के नाम से जानी जाती है।

अक्टूबर 2023 में इस्राइल–हमास युद्ध शुरू होने के बाद से फजर फोर्सेज ने हिजबुल्लाह के साथ मिलकर इस्राइल पर रॉकेट दागे थे। जिसके बारे में उसने कहा कि यह गाजा में हमास के समर्थन में था। मुस्लिम ब्रदरहुड को मध्य पूर्व के कई देशों में आतंकी समूह माना जाता है। पिछले महीने ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी लेबनानी, जॉर्डन और मिस्र की शाखाओं को आतंकी संगठन घोषित किया था।

अल–जमा अल–इस्लामिया के नेता मोहम्मद तक्कुश ने हिजबुल्लाह और इस्राइल के बीच 14 महीने के युद्ध के दौरान कहा कि उनके समूह और हिजबुल्लाह ने सीरिया और यमन में संघर्षों पर अपने मतभेदों को एक तरफ रखकर इस्राइल के खिलाफ एकजुट होकर काम किया। हिज्बुल्लाह ने आठ अक्टूबर, 2023 को इस्राइल पर हमला करना शुरू किया, हमास के दक्षिणी इस्राइल पर हमला करने के एक दिन बाद, जिससे इस्राइल–हमास का ताजा युद्ध शुरू हुआ। बाद में इस्राइल ने लेबनान पर बड़े पैमाने पर बमबारी की जिससे हिजबुल्लाह कमजोर हो गया, और उसके बाद जमीनी हमला किया।

यह संघर्ष 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए सीजफायर के साथ खत्म हुआ, और तब से, इस्राइल लगभग रोजाना लेबनान में हवाई हमले और जमीनी घुसपैठ कर रहा है। इस्राइल का कहना है कि वह ये ऑपरेशन हिज्बुल्लाह के गढ़ों और इस्राइल के खिलाफ खतरों को खत्म करने के लिए कर रहा है। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस युद्ध में लेबनान में 4,000 से ज्यादा लोग मारे गए और करीब 11 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं इस्राइल में 80 सैनिकों समेत 127 लोगों की जान गई।

'रिहाई के कुछ घंटे बाद ही सहयोगी का अपहरण हुआ', वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो का गंभीर आरोप

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने सोमवार को कहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का अपहरण कर लिया गया। सरकार ने रविवार को नजरबंद विपक्ष के कई प्रमुख सदस्यों को जेल से रिहा कर दिया था। वहीं, मचाडो ने सोशल मीडिया पर कहा कि जुआन पाब्लो गुआनिपा को राजधानी काराकास के एक आवासीय इलाके में आधी रात के आसपास अगवा कर लिया गया था।

उन्होंने एक्स पर लिखा "भारी हथियारों से लैस, सादे कपड़ों में चार वाहनों में आए और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए।" "हम उसकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।" विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है। इनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी। यह रिहाई संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रतिनिधियों की वेनेजुएला यात्रा के बाद हुई है।

सोमवार की सुबह इस मामले पर टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर सरकार के प्रेस कार्यालय ने तत्काल में कोई जवाब नहीं दिया। 3 जनवरी को अमेरिकी सेना द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद रोड्रिगेज ने वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनकी सरकार ने कुछ दिनों बाद कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया। रविवार को कुछ लोग अपने प्रियजनों की रिहाई का इंतजार कर रहे। उन्होंने हम नहीं डरते! हम नहीं डरते! के नारे लगाए और थोड़ी दूर तक पैदल मार्च किया।

पूर्व राज्यपाल गुआनिपा ने अपनी रिहाई के कुछ घंटों बाद पत्रकारों से कहा था, ष्मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश पूरी तरह बदल चुका है। मुझे पूरा यकीन है कि अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें।ष गुआनिपा ने हिरासत में आठ महीने से अधिक समय बिताया था।

कनाडा से रिश्ते बेहतर करने की तैयारी, एनएसए अजीत डोभाल ने कनाडा में उच्च स्तरीय बैठकें की

कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के शासनकाल में भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अब मौजूदा पीएम मार्क कार्नी की सरकार में फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों को बेहतर करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के तहत भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कनाडा का दौरा किया और वहां ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री की उप सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नताली जी. ड्रौइन से मुलाकात की। दोनों देशों के संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयासों की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है। डोभाल ने कनाडा के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह बैठक दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा वार्ता का हिस्सा थी। दोनों पक्षों ने

अपने राष्ट्रों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए चल रहीं पहल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मामलों पर भविष्य के सहयोग के लिए एक साझा कार्य योजना पर भी सहमति जताई। इस कदम से अधिक व्यावहारिक संयुक्त प्रयासों की राह बनेगी। इस बातचीत में एक अहम निर्णय ये रहा कि दोनों देशों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संचार चौनलों को बेहतर बनाना और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी, विशेष रूप से फेंटानिल और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध ा नेटवर्क की गतिविधियों सहित साझा खतरों पर जानकारी का आदान–प्रदान करना है। दोनों अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा में सहयोग पर भी सहमति जताई, जिसमें नीतिगत समन्वय और साइबर खतरों पर सूचनाओं का आदान–प्रदान शामिल है। उन्होंने प्रत्येक देश के घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करते हुए, धोखाधड़ी की रोकथाम और आव्रजन प्रवर्तन से संबंधित संयुक्त कार्यों पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया। अजीत डोभाल के इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में अतीत में आए तनाव के बावजूद व्यावहारिक सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने में दोनों देशों की आपसी रुचि भी स्पष्ट हुई। दो दिवसीय यात्रा के दौरान, डोभाल ने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री से भी मुलाकात की। ये मुलाकातें भारत–कनाडा सुरक्षा संबंधों में सकारात्मक गति का संकेत देती हैं, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध जैसी सीमा पार चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

'सेना की तैनाती कर हमें डरा नहीं सकते', पश्चिम एशिया में अमेरिकी युद्धपोत की तैनाती पर ईरान की दो टूक

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के साथ रविवार को शुरू हुई परमाणु बातचीत के बीच अपना रुख फिर दोहराया और कहा कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन करना नहीं छोड़ेगा। साथ ही ईरान ने अमेरिका की सैन्य ताकत के सामने झुकने से भी इनकार कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सैन्य तैनाती हमें डराती नहीं हैं। अराघची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने अपने सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। अराघची ने कहा कि ईरान को अमेरिका पर बहुत कम भरोसा है। अमेरिका की बातचीत की

मंशा पर भी उन्होंने सवाल उठाया।

अमेरिका की मंशा पर ईरान के विदेश मंत्री ने उठाए सवाल

अराघची ने कहा कि उन्हें इस बात पर भी संदेह है कि अमेरिका बातचीत को गंभीरता से ले रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि ईरान इन वार्ताओं को लेकर अपने रणनीतिक साझेदार चीन और रूस से भी परामर्श कर रहा है।

पश्चिमी देशों और इस्राइल का आरोप है कि ईरान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे ईरान ने खारिज किया है।

अराघची ने कहा कि ईरान किसी परमाणु हथियार की तलाश में नहीं है और उसकी असली ताकत महाशक्तियों को न कहने की क्षमता है।

अराघची ने कहा, श्वे हमारे परमाणु बम से डरते हैं, जबकि हम परमाणु बम की तलाश में नहीं हैं। हमारा परमाणु बम महाशक्तियों को न कहने की शक्ति है।श

इस बीच इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विश्व शांति के लिए खतरा बताया है।

अमेरिका और इस्राइल चाहते हैं कि बातचीत में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय सशस्त्र संगठनों को समर्थन जैसे मुद्दे भी शामिल हों, लेकिन ईरान ने इन्हें वार्ता का हिस्सा बनाने से इनकार कर दिया है।

अरघची ने यूरेनियम संवर्धन पर किसी भी तरह के समझौते से इनकार कर दिया और इसे रणनीति के बजाय संप्रभुता का मामला बताया। उन्होंने कहा, श्भले ही हम पर युद्ध थोपा जाए, लेकिन किसी को भी हमें अधिकार देने का हक नहीं है।श

बॉन्डी बीच हमले के बाद यहूदियों से मिलने पहुंचे इस्राइली राष्ट्रपति, लेकिन दौरे को लेकर भड़का विवाद

इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सोमवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर पहुंचे। उनका यह चार दिन का दौरा खास तौर पर पिछले साल दिसंबर में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले यहूदी समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए है। हालांकि, फलस्तीनियों को लेकर इस्राइल की नीतियों के कारण इस यात्रा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। मीडिया से बातचीत में हर्जोग ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के अलग–अलग हिस्सों में यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद हमले के बाद समुदाय के साथ एकजुटता दिखाना और उन्हें हौसला देना है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर–जनरल और प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर आए राष्ट्रपति हर्जोग अपने दौरे के दौरान यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलेंगे और बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, उनकी ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात होने की संभावना है।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में इस्राइली राष्ट्रपति के दौरे को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। इसका कारण है कि फलस्तीन मुद्दे को लेकर इस्राइल की नीतियों के विरोध में ऑस्ट्रेलिया में कई लोग और संगठन इस यात्रा का विरोध कर रहे हैं। एक हजार से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों ने एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि राष्ट्रपति हर्जोग का यहां स्वागत नहीं किया जाना चाहिए। हर्जोग जिन–जिन शहरों में जाएंगे, वहां विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। कैनबरा और मेलबर्न समेत कई शहरों में प्रदर्शन की योजना है। सिडनी में सोमवार शाम शहर के बीचों–बीच रैली और मार्च निकाले जाने की तैयारी की जा रही है। हालात को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। न्यू साउथ वेल्स राज्य में हर्जोग की यात्रा के दौरान 3,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें से करीब 500 पुलिसकर्मी खास तौर पर प्रस्तावित प्रदर्शनों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं।

गौरतलब है कि 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार के जश्न के दौरान सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। इस हमले में 16 लोगों की मौत हो गई थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इसे आतंकी हमला बताया था, जो चरमपंथी संगठन इस्लामिक स्टेट की सोच से प्रेरित था।

फ्रांस तक पहुंची एपस्टीन फाइल विवाद की आग, पूर्व संस्कृति मंत्री का इस्तीफा

पेरिस, एजेंसी। एपस्टीन फाइल्स में हुए खुलासों ने पूरी दुनिया में खलबली मचाई हुई है। अब इस विवाद की चपेट में फ्रांस के पूर्व संस्कृति मंत्री जैक लैंग भी आ गए हैं।

दरअसल एपस्टीन से जुड़े टैक्स धोखाधड़ी मामले में जैक लैंग का नाम सामने आया, जिसके बाद उन्होंने फ्रांस के एक सांस्कृतिक सेंटर के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। एपस्टीन फाइल जारी होने के बाद जैक लैंग फ्रांस के पहले हाई प्रोफाइल व्यक्ति बन गए हैं, जिन्हें इस विवाद के चलते इस्तीफा देना पड़ा है।

अमेरिका के न्याय विभाग ने 30 जनवरी को बदनाम यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलें जारी

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।